प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन

Nature-Human Centric Peoples Movement

(एन एच सी पी एम) की गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट

जनवरी, 2003 से अक्टूबर, 2012 तक

प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन (एन एच सी पी एम) का गठन 27 से 30 दिसम्बर, 2002 को राजस्थान के हनुमानगढ़ टाउन में आयोजित कान्फ्रेंस में हुआ। कान्फ्रेंस का एजेण्डा 'प्रकृति-मानव केन्द्रित कार्यक्रम' (Nature-Human Centric Agenda) था। इस कान्फ्रेंस मं 13 सदस्यों की अखिल भारतीय कमेटी का गठन किया गया।

इस कमेटी की विस्तृत बैठक में निम्नलिखित फैसले लिए गए थे—

(1) एन एच सी पी एम की प्रांतीय एवं निचले स्तर पर कमेटियों का गठन करना। (2) गरीबी, पानी, जनसंख्या, अकाल, बेरोजगारी, सामाजिक पिछड़ापन सहित जनसमस्याओं पर जन आन्दोलन चलाना। (3) न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था अथवा प्रकृति-मानव केन्द्रित व्यवस्था के एजेण्डा के बिन्दु तैयार करना, छपवाना तथा उस एजेण्डा पर लोगों में काम की शुरूआत के लिए एजेण्डा के बिन्दुओं पर हस्ताक्षर अभियान चलाना। (4) अन्य जन आन्दोलनों तथा गैर सरकारी संगठनों (NGO) से अन्तरक्रिया करना। (5) अखबारों तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों से सम्पर्क करना एवं पत्रिकाएं भेजना। (6) विश्व सामाजिक मंच (WSF) के मुम्बई सम्मेलन (16 से 21 जनवरी, 2004) में भाग लेना। (7) मुम्बई के डब्ल्यू एस एफ सम्मेलन में गठित पीपल्स सार्क कमेटी (Agenda Preparing Peoples Committee of SAARC Countries) के सदस्यों से अन्तरक्रिया करना एवं इसकी बैठक भारत में करना। (8) 29 से 31 अक्टूबर, 2004 को जोधपुर (राजस्थान) में बेरोजगारी पर सम्मेलन करना। (9) 8-9 जनवरी, 2005 को कृषि संकट पर पंजाब में सम्मेलन करना।

इन आम फैसलों के अलावा नीचे के स्तर पर इकाइयों तथा सदस्यों ने स्थानीय हालात के मुताबिक अन्य विशेष फैसलों के अनुसार काम किया तथा उनके द्वारा की गई जनगतिविधियां जनवरी, 2003 से मई, 2005 तक की सूचना इस प्रकार है—

7-8 मई, 2005 को 'काम का अधिकार' विषय पर कानपुर (उत्तरप्रदेश) सम्मेलन में भाग लेना। 8-9 अप्रेल, 2005 को 'जनतांत्रिक धारा का ध्रुवीकरण' पर आयोजित राष्ट्रीय संवाद बैठक नागपुर (महाराष्ट्र) में भाग लेना। 16 से 20 जनवरी, 2005 को डिन्डीगुल (तमिलनाडू) में आयोजित 'आधुनिक सभ्यता का संकट' विषय पर आयोजित सम्मेलन में एन एच सी पी एम के पश्चिम बंगाल एवं राजस्थान के साथियों से गठित टीम ने भाग लिया। 8-9 जनवरी, 2005 को पंजाब के बरनाला शहर में 'कृषि का संकट' विषय पर सम्मेलन आयोजित किया।

31 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर, 2004 को जोधपुर (राजस्थान) में पीपल्स सार्क कमेटी (Agenda Preparing Peoples Committee of SAARC Countries) की बैठक की गई जिसमें पाकिस्तान से 5 तथा नेपाल से 4 सदस्यों ने भाग लिया। 29 से 31 अक्टूबर 2004 को जोधपुर में बेरोजगारी पर सम्मेलन आयोजित किया गया। नवम्बर 2004 में जयपुर (राजस्थान) में सी.एन.डी.पी. (Coordination for Nuclear Disarmament and Peace) के अखिल भारतीय सम्मेलन में एन एच सी पी एम के सदस्यों ने भाग लिया। सितम्बर-अक्टूबर, 2004 में घड़साना (श्रीगंगानगर) राजस्थान में सिंचाई के पानी के समर्थन में किसान संघर्ष में एन एच सी पी एम के सदस्यों ने सक्रिय भाग लिया। अप्रेल, 2004 कलकत्ता (प. बंगाल) की मीटिंग में भाग लिया। 16 से 21 जनवरी, 2004 को मुम्बई में आयोजित विश्व सामाजिक मंच तथा एम आर-2004 सम्मेलनों में एन एच सी पी एम के 42 सदस्यों ने भाग लिया।

एन एच सी पी एम के निचले स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों के अलावा लोगों में इसके एजेण्डा को लोकप्रिय बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर में लगभग हर सप्ताह आम सभाएं की गई। जम्मू-कश्मीर समस्या के त्रिपक्षीय शांतिपूर्ण समाधान के लिए कई स्तर पर काम किया गया। पंजाब में पानी, बिजली, खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं तथा एन एच सी पी एम के कार्यक्रम को लोगों में ले जाने के लिए धरणे, प्रदर्शन, आमसभाएं तथा कई संगठनात्मक बैठकें आयोजित की गई।

16-17 अक्टूबर, 2003 को उदयपुर (राजस्थान) में एन एच सी पी एम का संभाग स्तर का सम्मेलन किया गया। पर्यावरण विषय पर देहरादून (उत्तरांचल)

में सार्क देशों के वकीलों की मीटिंग में भाग लिया। 13-14 सितम्बर, 2003 को जयपुर में तथा 20-21 अक्टूबर, 2003 को भोपाल (मध्यप्रदेश) में आयोजित इन्साफ की मीटिंग में भाग लिया। 27 से 29 अप्रेल, 2003 को भोपाल में आयोजित युवा भारत के सम्मेलन में तथा 1 से 7 जनवरी, 2003 को हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में आयोजित एशियन सोशियल फोरम की बैठक में एन एच सी पी एम के सदस्यों ने भाग लिया।

इन सारी गतिविधियों की पृष्ठभूमि में एन एच सी पी एम की अखिल भारतीय एवं प्रान्तीय कमेटियों की विस्तृत बैठकों की दिनांक तथा जगह का विवरण ये है—

25-26 जनवरी, 2003 बीकानेर (राजस्थान), 11-12 अप्रेल, 2003 बीकानेर, 21-22 जून, 2003, जोधपुर (राजस्थान), 26-27 जुलाई, 2003 बरनाला (पंजाब), 16 अगस्त, 2003 उदयपुर, 2-3 अक्टूबर, 2003 जोधपुर, 2-3 नवम्बर, 2003 बीकानेर, 30 मार्च, 2004 जोधपुर, 2 मई, 2004 बीकानेर, 18 जुलाई, 2004 बरनाला (पंजाब), 29 अगस्त, 2004 बीकानेर, 29-31 अक्टूबर, 2004 जोधपुर, 19-20 फरवरी, 2005 बीकानेर।

इन मीटिंगों, सम्मेलनों तथा गतिविधियों से सम्बन्धित दस्तावेज नेचर-ह्यूमन सेन्ट्रिक व्यूपाइंट के अंग्रेजी, हिन्दी, पंजाबी के अंक संख्या 179 (जनवरी, 2003) से अंक संख्या 195 (मई, 2005) में उपलब्ध है।

जून, 2005 के बाद से अक्टूबर, 2012 तक की गई गतिविधियां ये रही—

सन् 2005 में - 11-12 जून हनुमानगढ़ में कृषि सम्मेलन, 18-19 सितम्बर को बीकानेर में राजस्थान के सदस्यों की आर पी सराफ के साथ मीटिंग जिसमें स्टेट कमेटी के सदस्य भी थे। इस मीटिंग में 'विज्ञान संचार' विषय पर दस्तावेज का अध्ययन किया गया। काम की रिपोर्ट एवं आगे के काम की योजना बनाई गई। 25 से 27 नवम्बर को जयपुर में अखिल भारतीय सम्मेलन जिसका विषय प्रकृति और मानव समाज से संबंधित समस्या रखा गया।

सन् 2006 में - 11-12 फरवरी को रावतसर वैदिक कन्या महाविद्यालय में कृषि संकट तथा 11-12 अप्रेल को बीकानेर में एन एच सी पी एम के प्रोग्राम पर आर पी सराफ साहब के साथ मीटिंगे। 23 से 25 मई को लखनऊ के श्रम

सम्मेलन में भाग लिया। 27-28 मई को उदयपुर में कृषि सम्मेलन किया गया। 1 एवं 2 अक्टूबर को जोधपुर में मीटिंग हुई जिसमें विश्व सामाजिक फोरम नई दिल्ली में भाग लेने सार्क देशों में सम्पर्क करने की योजना बनाई गई। अंक 206 का अध्ययन किया गया। 28 से 30 अक्टूबर को कोलकोता में, मीटिंग की 9 से 13 नवम्बर, 2006 को नई दिल्ली में विश्व सामाजिक मंच में भाग लिया। इस अवधि में पीपल्स सार्क, कश्मीर समस्या तथा बेरोजगारी विषय पर विचार-विमर्श एवं गतिविधियां रही।

सन् 2007 में - 21-22 अप्रेल को भटिण्डा (पंजाब) में आर पी सराफ के साथ मीटिंग, 24-25 जून को श्रीगंगानगर में 'कृषि संकट एवं मानव जाति का भविष्य' विषय पर सम्मेलन। इसी दरम्यान इलाहाबाद में मोनासूर के साथ श्रमिक समस्याओं पर मीटिंग। 22 जुलाई को जोधपुर में एन एच सी पी एम की मीटिंग। 15-16 सितम्बर को मानसा में जम्मू-कश्मीर, पंजाब तथा राजस्थान के सदस्यों की एन एच सी पी एम के प्रोग्राम पर एक दिन तथा दूसरे दिन कृषि विषय पर सम्मेलन किया गया। 23 सितम्बर, 2007 को जोधपुर में एन एच सी पी एम की मीटिंग। 1 अक्टूबर को केन्द्रिय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र (CAZARI) की मीटिंग में भागीदारी। 28 अक्टूबर को हनुमानगढ टाउन में आर पी सराफ साहब के साथ एन एच सी पी एम सदस्यों की मीटिंग। 18 नवम्बर को भरतपुर में कृषि विषय पर मीटिंग, 25 से 31 दिसम्बर को दिल्ली में मीटिंग, 8-9 दिसम्बर को बीकानेर में आर पी सराफ साहब के साथ मीटिंग। 27-28 दिसम्बर को उदयपुर में खेतीबाड़ी एवं पर्यावरण विषय पर सम्मेलन किया गया।

सन् 2008 में - 9 से 12 फरवरी को बरनाला में कृषि सम्मेलन, 4-5 मई को जोधपुर में एन एच सी पी एम की प्रान्तीय कमेटी की विस्तृत बैठक जिसके एजेण्डे में एन एच सी पी एम की गतिविधियां, उत्तर-पूर्व के मिजोरम त्रिपुरा तथा बांग्लादेश टूर तथा सार्क सम्मेलन, एन एच सी पी एम के हैडक्वाटर निर्माण आदि विषय थे। 8 जून को जोधपुर में नागौर जिले के डीडवाना चुनाव पर विचार-चर्चा की गई। 21-22 जून को श्रीगंगानगर में संगठित एवं असंगठित मजदूरों में काम पर मीटिंग की गई।

सन् 2009 में - 21-22 फरवरी को जलगांव में मानव एकता सम्मेलन

में भागीदारी की। 3 से 7 अप्रेल को मिजोरम के आईजोल तथा लॉग तलाई में एन एच सी पी एम के विस्तार पर मीटिंगें की। 21 से 23 जून, 2009 को श्रीगंगानगर में एन एच सी पी एम का प्रथम पीपल्स सार्क सम्मेलन आयोजित किया गया। इसी सम्मेलन के दरम्यान आर पी सराफ साहब का देहान्त 24 जून, 2009 को जम्मू-कश्मीर के साम्बा जिले में हो गया। 23 जून को श्रीगंगानगर में सार्क में आए सभी डेलीगेटों, पर्यवेक्षकों एवं मेहमानों से मुलाकात के बाद सराफ साहब साम्बा के लिए 23 जून को ही रवाना हो गए थे। 24 जून, 2009 को आर पी सराफ के देहान्त के बाद प्रथम बैठक 1 अगस्त, 2009 को जोधपुर में विस्तृत बैठक रखी गई जिसमें पंजाब, जम्मू-कश्मीर तथा राजस्थान के साथियों ने भाग लिया। जोधपुर के किसान भवन में आयोजित इस बैठक में एन एच सी पी एम के आगे काम के संचालन के लिए अखिल भारतीय कमेटी में 6 नए सदस्य सम्मिलित किए गए। आर पी सराफ द्वारा लिखित लेखों का हिन्दी एवं अंग्रेजी में संकलन प्रकाशित करने के फैसले लिए गए। 24-25 अगस्त, 2009 को जम्मू के कॉली फार्म हाउस में मीटिंग की गई। 15 सितम्बर को बीकानेर में मीटिंग की गई। 10-11 अक्टूबर को जोधपुर के महाराज श्री मंछारामजी शिक्षा ट्रस्ट भवन में एन एच सी पी एम का प्रान्तीय सम्मेलन किया गया। 13-14 नवम्बर को बीकानेर के कोलायत कस्बे में जम्मू, पंजाब, राजस्थान के सदस्यों का कृषि विषय पर सम्मेलन हुआ।

सन् 2010 में - 22 फरवरी से 3 मार्च तक बांग्लादेश एवं तिरूपति (आंध्रप्रदेश) में मीटिंगें की गई जिसमें एन एच सी पी एम एवं सार्क स्तर पर काम की चर्चा रही। 16 से 18 अप्रेल को जोधपुर में एन एच सी पी एम के सदस्यों तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक समन्वय (रा ज स) की कार्यकारिणी सदस्यों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। 26 जून को रा ज स की साम्बा में बैठक की गई। 7-8 अगस्त, 2010 को उदयपुर के बेदला इलाके में जयसमंद झील में प्रदूषण, अतिक्रमण तथा जिंक स्मेल्टर प्लांट द्वारा गांवों को हुए नुकसान विषयों पर एन एच सी पी एम की अखिल भारतीय स्तर की मीटिंग हुई। 28-29 अगस्त 2010 को दिल्ली श्रमिक संघ के साथ मीटिंग हुई। 9-10 अक्टूबर को अन्य संगठनों तथा 11 से 14 अक्टूबर को डॉ. जी.एन. रेड्डी के साथ जैविक (प्राकृतिक) कृषि विषय पर बातचीत एवं कार्यक्रम हुआ। इस क्रम में उड़िसा,

प. बंगाल, नेपाल में एन एच सी पी एम की कान्फ्रेंसों में भाग लेना शामिल है। 13-14 नवम्बर को मानसा, पंजाब में एन एच सी पी एम की मीटिंग की गई।

सन् 2011 में - 27-28 अगस्त को जयपुर में गोकुल भाई भट्ट की समाधि स्थल दुर्गापुरा में बड़ी मीटिंग की जिसमें सैद्धान्तिक अध्ययन, चुनाव, सार्क सम्मेलन की तैयारी आदि विषय थे। श्रीलंका के लिए दो सदस्यों की टीम तैयार की तथा श्रीलंका भेजी गई। 24-25 सितम्बर को बीकानेर में सार्क सम्मेलन के दस्तावेज तैयार करने की मीटिंग रखी। 7-8 अक्टूबर को जयपुर में होने वाले सार्क सम्मेलन के प्रबंध संबंधी बैठक की गई। 11 से 13 नवम्बर को जयपुर के गांधीनगर इलाके में एन एच सी पी एम की पीपल्स सार्क कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें श्रीलंका, मालद्वीव, बांग्लादेश, नेपाल एवं भूटान से डेलीगेटों ने भागीदारी की। 18 से 22 नवम्बर को दो सदस्यों का दल बांग्लादेश गया जिसका एजेण्डा एन एच सी पी एम का बांग्लादेश में काम एवं सार्क स्तर पर आगे गति प्रदान करना था।

सन् 2012 में - 29 एवं 30 जनवरी को बीकानेर में अ. भारत स्तर पर विस्तृत बैठक का आयोजन किया गया। इसके एजेण्डे में पंजाब चुनाव, चुनावों में संयुक्त मोर्चा बनाकर उम्मीदवारों से हस्ताक्षर करवाना, भारत-पाक मैत्री संघ की इलाहाबाद मीटिंग में भागीदारी, जीवन विद्या संस्था के साथ इण्टरएक्शन, कानपुर में मीटिंग, पर्यावरण-मानव विकास लोक मंच की गतिविधियां आदि विषय थे। इसमें सार्क सम्मेलन का रिव्यूव किया गया। एन एच सी पी एम के संगठनात्मक काम पर चर्चा की गई तथा 'मानव समाज में परिवर्तन एवं विकास' विषय के दस्तावेज का अध्ययन किया गया। 25-26 फरवरी को पंजाब के मस्तवाना (संगरूर) में सम्मेलन किया गया। 3-4 मार्च को हरियाणा के थर्मल पावर प्लांट के लिए भूमि अधिग्रहण विरोधी आन्दोलन पर मीटिंग में भागीदारी की। 6 से 9 मार्च को एक डेलीगेशन बांग्लादेश में ढाका विश्वविद्यालय एवं जगन्नाथ विश्व विद्यालय में युवाओं के प्रोग्राम में भाग लिया। 18-19 मार्च को बाबा रामदेव के साथ मीटिंग की तथा उन्हें एन एच सी पी एम का एजेण्डा बताया। 20-22 मार्च को जीवन विद्या संस्था के सदस्यों के साथ मीटिंग की। 29 अप्रेल को जोधपुर में प्रान्तीय कमेटी की बैठक की। 1 से 3 जून को उदयपुर में प्रान्तीय सम्मेलन किया गया। सम्मेलन के एजेण्डे में सार्क एजेण्डा, कृषि को

सार्क का मुख्य एजेण्डा बनाने, मजदूरों को पूंजी प्रबंध में भागीदार बनाने, सदस्यता, सदस्यों को वक्ता बनाने आदि, बिन्दु सम्मिलित थे। 24 जून को साम्बा में मीटिंग की गई तथा 25-26 जून को मानसर (साम्बा) जम्मू-कश्मीर में अखिल भारत स्तर की मीटिंग की गई। इसमें कई दस्तावेजों का अध्ययन किया गया। प्रोग्राम, संविधान, कश्मीर विषय आदि का अध्ययन एवं आगे काम करने के विषय थे। 11 एवं 12 अगस्त को जोधपुर में अखिल भारत कमेटी की विस्तृत बैठक हुई। 17 अगस्त को हरियाणा के फतिहाबाद में परमाणु विरोधी मोर्चा के कार्यक्रम में भाग लिया गया। 22-23 अगस्त को स्वदेशी जागरण मंच के दिल्ली प्रोग्राम में भाग लिया। 14 अक्टूबर को बीकानेर में अ.भा. कान्फ्रेंस की तैयारी के लिए अ. भारतीय कमेटी की मीटिंग हुई। 27-28 एवं 29 अक्टूबर, 2012 को कोलायत (बीकानेर) में कृषि पर अखिल भारतीय सम्मेलन हुआ। जिसमें भागीदारी की गई।

1 से 4 नवम्बर, 2012 को बीकानेर में एन एच सी पी एम का प्रथम अखिल भारतीय सम्मेलन हुआ तथा अखिल भारतीय कमेटी का गठन हुआ जिसकी प्रथम बैठक बीकानेर में ही सम्मेलन स्थल पर 4 नवम्बर 2012 को हुई, जिसमें पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। पदाधिकारी एवं सदस्य ये थे—

1. अध्यक्ष – घनश्याम डेमोक्रेट
2. महासचिव – रूपचन्द मखनोत्रा
3. उपाध्यक्ष – रेणू सूद
4. कोषाध्यक्ष – गिरधारीराम

सदस्य

5. दीदार सिंह
6. भरत कुमार
7. प्रेमपाल
8. सुखदेव सिंह
9. गुरदयालसिंह शीतल
10. गमदूर कौर
11. जसवीर कौर
12. सज्जन कुमार
13. इन्द्रसिंह
14. मन्नाराम
15. सुभाष पूनीया, हरियाणा
16. राजेन्द्र शर्मा, हरियाणा
17. बलराज मलिक, दिल्ली
18. एम डेविड, पाण्डिचेरी
19. प्रदीप पुरोहित, उड़िसा
20. सिद्धार्थ एडवोकेट, उड़िसा
21. जी.एन. रेड्डी, आंध्रप्रदेश
22. वाई डेविड, तमिलनाडु
23. डा. सनदानम सुसाई, तमिलनाडु
24. एन.पी. सामी, कर्णाटक
25. सागरिका, प. बंगाल
26. डा. राजीव, मध्यप्रदेश
27. कल्पना खर्ग, उत्तरप्रदेश
28. इरफान, बिहार
29. नागेश्वर, आन्ध्रप्रदेश

प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के गठन 29 दिसम्बर, 2002 से अक्टूबर, 2012 तक संगठनात्मक प्रक्रिया से संबंधित कुछ व्यवहारिक बिन्दु

1. प्रकृति-मानव केन्द्रित एजेण्डे पर आयोजित प्रथम सम्मेलन में प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन की भारतीय कमेटी का गठन हुआ लेकिन बीकानेर में आयोजित इसके प्रथम सम्मेलन (1 से 4 नवम्बर, 2012) तक कमेटी ने बिना पदाधिकारियों के ही एजेण्डा आधारित काम किया।

2. प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के गठन से 24 जून, 2009 तक श्रीमान आर.पी. सराफ साहब के निधन तक प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन की सभी गतिविधियों—सैद्धान्तिक, व्यवहारिक, संगठनात्मक और प्रक्रियागत—में आर.पी. सराफ साहब जन आंदोलन के एजेण्डे द्वारा ही मार्गदर्शन करते रहे।

3. अखिल भारतीय स्तर पर और प्रान्तीय स्तर पर संगठनात्मक बैठकों का आयोजन होता रहा, प्रत्येक बैठक में अगली बैठक की तारीख एवं स्थान का फैसला ले लिया जा रहा था। किसी विशेष परिस्थिति में किसी प्रकार का परिवर्तन मेजबान प्रान्तीय या जिला इकाई की सूचना पर कर लिया जाता था।

4. अखिल भारतीय स्तर पर किसी भी प्रकार का प्रबंध करने के बजाए व्यवहारिक रूप में यह प्रबंध प्रान्तीय एवं जिला इकाइयों पर ही निर्भर रहा है। यदि कोई प्रान्तीय या जिला इकाई को समस्या महसूस हुई तो वह इन्य इकाइयों से सहायता ले लेती थी।

5. प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के प्रोग्राम एवं संविधान के भाग III को छोड़कर किया गया आचरण या कोई भी गतिविधि चल रही विश्व कॉरपोरेट पूंजीवादी व्यवस्था के दायरे की ही गतिविधि बनती है यानि वह गतिविधि पूंजी एवं ताकत के हित में ही काम करती है, पर्यावरण या लोगों के हित में नहीं।

6. प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के प्रोग्राम एवं संविधान का भाग-III कहता है—''सभी चीजों पर पर्यावरणीय-मानवीय नजरिये से दृष्टिपात करना।''

7. पर्यावरणीय-मानवीय नजरिये से दृष्टिपात करना संगठनात्मक प्रक्रिया में किस प्रकार व्यवहार में आता है?

(i) व्यक्तिगत सदस्य और सदस्यों से गठित कोई इकाई में सामंजस्य (विश्वास, सहयोग, एकता, सहमति, समझौता, आदि) पर्यावरण एवं मानवता के पक्ष में रहा है तथा रहता है जबकि गैर सामंजस्य इन दोनों पहलुओं को हानि पहुंचाता है। सामंजस्यता या असामंजस्यता सदस्य एवं सदस्यों से गठित किसी इकाई के सैद्धान्तिक, व्यवहारिक तथा संगठनात्मक ज्ञान पर निर्भर करता है। व्यक्तिगत सदस्य के मामले में सदस्य के अहम् (ego) की मूलभूत भूमिका रहती है।

(ii) सदस्य और उसकी इकाई में सामंजस्य तोड़ना पर्यावरण एवं मानवता के खिलाफ जाता है। सामंजस्य तोड़ना कितना नुकसान पहुंचाता है यह उस इकाई के स्तर पर निर्भर करता है। यदि इकाई देश स्तर की है तो देश स्तर का नुकसान होगा यदि इकाई पारिवारिक स्तर की है तो नुकसान या फायदा परिवार के स्तर का होगा।

(iii) सदस्य अपने अहम् (ego) का प्रबंध संगठन में सामंजस्य बढ़ाने के हिसाब से करता है तो वह प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के भाग-III का पालन करता है, और सदस्य का अहम् प्रबंधन पर्यावरण और मानवता के हक में काम आता है, नहीं तो इसके उलट काम करता है।

8. मानव इतिहास और अब तक मार्गदर्शन के मामले में नेतृत्वकारी किसी न किसी एजेन्सी या इकाई—गणमाता, कबिला सरदार, राजा, महापुरुष, गुरु, वैज्ञानिक, नेता, पार्टी, देश या कम्पनी—को माना जाता रहा है और माना जा रहा है। मानव जाति के विशिष्ट मनोगत और वस्तुगत हालात में ये मार्गदर्शन सकारात्मक रहे हैं लेकिन वर्तमान विश्व की नई वास्तविकता के उभरे नए हालात में इनका नेतृत्व पर्यावरण एवं मानवता दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है सिवाय मामूली या नाकाफी फायदे के।

9. प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन का मानना है कि अब मार्गदर्शन का मामला किसी भी एजेन्सी—नेता, देश, पार्टी या कम्पनी—के बजाए एजेण्डे में देखा जाना चाहिए। यदि किसी इकाई का एजेण्डा पर्यावरण एवं मानवता दोनों के हक में है तो वह सही है। यदि वह उनको नुकसान पहुंचाता है तो उनका

मार्गदर्शन गलत है। आज का सही एजेण्डा प्रकृति–मानव आधारित ही हो सकता है और है तथा यह आज की विश्व वास्तविकता से पैदा हुआ है न कि किसी एजेन्सी के दिमाग से। हालांकि किसी विशिष्ट व्यक्ति का दिमाग वास्तविकता द्वारा दिए गए तथ्य, आंकड़ों को सुव्यवस्थित करने और उन्हें सूत्रबद्ध करने में विशेष भूमिका निभाता है।

10. सिद्धान्तों में किसी प्रकार का एकतरफापन जनता में वैचारिक गुटबंदी करता है। कोई भी सिद्धांत, व्यवहार एवं संगठनात्मक आचरण जो लोगों में फूट डालता हो पर्यावरण एवं मानवता दोनों को हानि पहुंचाता है। जो सिद्धान्त विश्व के लोगों में फूट डालता है वह आज पर्यावरण को बर्बाद करने वाला और घोर अमानवीयकरण को बढ़ाने वाला है। वह पर्यावरणीय एवं मानवीय दोनों के हितों को नुकसान पहुंचाता है।

11. प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के ढांचे के बारे में—प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के ढांचे में निम्नलिखित इदारे इसके संविधान में दर्ज हैं—

I. सदस्यता–व्यक्तिगत सदस्य इसका प्रथम इदारा है।

II. इकाइयां–गांव/वार्ड से देश स्तर की इकाइयां जो सदस्यों से गठित है।

III. भागीदार संगठन–वो संगठन जो देश या दुनिया में कहीं भी काम करते हों तथा जो वर्तमान विश्व में पर्यावरणीय एवं मानवता के संकट का कारण विश्व कॉरपोरेट पूंजीवादी व्यवस्था को मानते हों तथा इसका हल पर्यावरणीय गिरावट को रोकने तथा उसे संवर्धित एवं संरक्षित करने के साथ सभी मानवीय पहलुओं को आगे बढ़ाने का कार्य करने में समझते हों।

IV. भ्रातृत्व संगठन–वे सभी संगठन जो पर्यावरणीय एवं मानवता के हक में दुनिया के किसी भी हिस्से में लोगों के साथ ग्रास रूट स्तर पर कार्यरत हैं। भ्रातृत्व संगठन हैं।

प्रकृति–मानव केन्द्रित एजेण्डे पर आयोजित प्रथम सम्मेलन में 29 दिसम्बर, 2002 को गठित अखिल भारत कमेटी के सदस्यों के नाम ये थे–

1.	R.P. Saraf	श्रीमान् आर.पी. सराफ
2.	Sajjan Kumar	सज्जन कुमार
3.	Mani Ram	मनीराम

4.	Nilamber Pandey	नीलाम्बर पाण्डे
5.	Sukhdev Singh	सुखदेवसिंह
6.	Manna Ram	मन्नाराम
7.	Himmat Singh	हिम्मतसिंह
8.	Gurdayal Sheetal	गुरदयाल शीतल
9.	Tejpal Singh	तेजपालसिंह
10.	Randeep Singh	रणदीप सिंह
11.	Hasmat Hirwani	हसमत हिरवाणी
12.	Ghanshyam Democtat	घनश्याम डेमोक्रेट
13.	Upendra Mohan Thakur	उपेन्द्रमोहन ठाकुर

1 अगस्त, 2009 को जोधपुर Extended Meeting में नए सदस्य जोड़े गए–

1.	Roopchand Makhanotra	रूपचन्द मखनोत्रा
2.	Roopayan Bhattacharya	रूपायन भट्टाचार्य
3.	Vipin Chandra	विपिन चन्द्र
4.	Jasveer Kour	जसवीर कौर
5.	Maghar Singh	मघर सिंह
6.	Jawahar Lal	जवाहरलाल

प्रस्तुति – **घनश्याम डेमोक्रेट**

8 से 10 जून, 2015 को स्वानखां (जम्मू-कश्मीर) में आयोजित

प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के द्वितीय अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रस्तुत (4 नवम्बर, 2012 से मई 2015 तक की) रिपोर्ट

I

अखिल भारतीय कमेटी में 15 प्रान्तों से कुल 29 सदस्य थे पदाधिकारियों में अध्यक्ष-घनश्याम डेमोक्रेट, महासचिव-रूपचन्द मखनोत्रा, उपाध्यक्ष-रेणू सूद, कोषाध्यक्ष-गिरधारीराम तथा 25 कमेटी सदस्य थे।

II

इस कमेटी ने अपने गठन 4 नवम्बर, 2012 से अब तक यानि जून, 2015 तक पांच बैठकों का आयोजन किया। इनमें दो बैठकों का स्तर विस्तृत था। इसके अलावा सार्क स्तर, प्रदेश कान्फ्रेन्सों और बड़े अखिल भारतीय सम्मेलनों में कमेटी सदस्य अपनी अलग बैठक भी करते रहे। जिसकी आवृति दो माह में एक बैठक की रही। टेलीफोन एवं ई-मेल के जरिये भी कमेटी मेम्बर मिलते रहे हैं।

प्रथम बैठक (4 नवम्बर, 2012) बीकानेर

एजेण्डा -

(i) पदाधिकारियों का चुनाव तथा

(ii) 1-4 नवम्बर, 2012 के प्रथम सम्मेलन में लिए गए फैसलों को लागू करना।

दूसरी बैठक (25 से 27 जनवरी, 2013) जोधपुर

एजेण्डा -

(i) सैद्धान्तिक 'मानव समाज में परिवर्तन एवं विकास का एक प्रयास' नामक दस्तावेज का अध्ययन।

(ii) संगठनात्मक (क) सदस्यता की धारणा के बारे में।

(ख) अध्यक्ष, सचिव आदि पदनाम पर उठे सवालों के बारे में।

(ग) कमेटी के नाम (अभियान हो या कमेटी) के बारे में।

(iii) कमेटी द्वारा किए गए व्यावहारिक कार्य के बारे में -

(क) व्यक्तिगत सदस्य एवं उससे संबंधित इकाई की गतिविधियों के बारे में।

(ख) अखिल भारतीय कमेटी के सदस्यों को प्रेरित करने के बारे में।

(iv) वित्त के बारे में धारणा एवं स्थिति

(v) प्रथम सम्मेलन का मूल्यांकन

(vi) 11 से 13 दिसम्बर, 2012 को श्रीलंका में सम्पन्न 5वें पीपल्स सार्क सम्मेलन का मूल्यांकन।

(vii) प्रकृति-मानव केन्द्रित व्यूप्वाइंट पत्रिका के प्रकाशन संकलित रचनाएं (C.W.) एवं वेब साइट के बारे में।

(viii) अन्य वैचारिक केन्द्रों, ग्रुपों, संगठनों के साथ अन्तरक्रिया के बारे में।

(ix) आने वाले चुनावों में भाग लेने के बारे में।

(x) सदस्यों की व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में।

(xi) अन्य विषय जो सदस्य चाहे।

तीसरी बैठक (26 से 28 जून, 2013) सिद्ध महादेव, जम्मू-कश्मीर

एजेण्डा -

(i) सदस्यों द्वारा किए गए काम की रिपोर्ट।

(ii) दस्तावेज का अध्ययन।

(iii) पिछली बैठक में लिए गए फैसलों को लागू करने के बारे में।

चौथी बैठक (17 से 19 मई, 2014) मानसा, पंजाब

(i) प्रोग्राम एवं संविधान का अध्ययन व उससे संबंधित सवालों के बारे में।

(ii) रिपोर्टिंग- (क) अखिल भारतीय स्तर की

(ख) प्रान्तीय स्तर पर किए गए काम की

(ग) कमेटी सदस्य द्वारा किया गया कोई भी कार्य

(iii) चुनाव के बाद परिदृश्य तथा आगे का कार्य

(iv) पिछली बैठकों में लिए गए फैसलों के बारे में

(क) कृषि सम्मेलन आयोजित करने

(ख) एन.एच.सी.पी.एम. को अन्य प्रान्तों में विस्तार देने

(ग) महिला सम्मेलन, यूथ सम्मेलन, युद्ध विरोधी सम्मेलन, संगठित और असंगठित मजदूरों पर सम्मेलन करने के बारे में।

(घ) सदस्यता बढ़ाने तथा प्रान्तीय स्तर पर सदस्यता

(ड़) वक्ता बनाने के बारे में

(च) काम की गति बढ़ाने के बारे में।

(v) अगले अखिल भारतीय सम्मेलन के आयोजन के बारे में।

(vi) सार्क कान्फ्रेंस या सार्क स्तर पर कार्य करने के बारे में

(vii) प्रकाशन, संकलित करने का कार्य (C.W.) के प्रकाशन, वेब साइट, अन्य भाषाओं में प्रकाशन, गतिविधियों की रिपोर्ट, आदि के बार में।

(viii) अन्य संगठनों, महत्वपूर्ण व्यक्तियों से सम्पर्क के बारे में

(ix) अन्य सैद्धान्तिक और संगठनात्मक सवालों में बारे में

पांचवीं बैठक (3-4 अप्रेल, 2015) गांव-माखा, पंजाब

एजेण्डा -

(i) पिछली बैठकों के फैसलों को लागू करने के बारे में

(ii) रिपोर्ट

(iii) अखिल भारतीय सम्मेलन (8 से 10 जून, 2015) के प्रबंध की विस्तृत तैयारी के बारे में

III

उपर्युक्त बैठकों में दर्ज एजेण्डों की रोशनी में की गई गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट इस प्रकार है-

सार्क स्तर पर

11 से 13 दिसम्बर, 2012 को श्रीलंका में पांचवा पीपल्स सार्क सम्मेलन प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के एजेण्डे पर श्रीलंका सरकार के भाषा एवं सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया। इसमें भारतीय कमेटी ने संयोजन में सहायता की।

17-18 नवम्बर, 2014 छठा पीपल्स सार्क सम्मेलन नेपाल में आयोजन में भागीदारी।

22-23 अगस्त, 2014 प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के नेपाल सम्मेलन में भारत से दो सदस्यों का डेलीगेशन गया।

नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान, पाकिस्तान के मित्रों के टेलीफोन एवं ई-मेल के जरिये सम्पर्क जारी रखा।

भारतीय स्तर पर

17 से 31 दिसम्बर, 2012 तक सज्जनकुमार और रूपचंद मखनोत्रा ने चैनई, मदुराई, पाण्डिचेरी में मिटिंगें तथा सदस्यों से वार्ताएं की।

5-6 जनवरी, 2013 को इन साथियों ने बैंगलोर में स्टडी सर्किल लगाया। 7-8 जनवरी, 2013 को किसान नेता श्रीमती चुकी द्वारा कर्नाटक में आयोजित किसान सम्मेलन में भाग लिया।

9 से 20 जनवरी, 2013 को उड़िसा के भवानी पटना, नीयमगिरी के आदिवासियों से अन्तरक्रिया (तीन सेमीनार, एक आम सभा) की। इसमें पंजाब एवं जम्मू के साथियों ने भी भागीरदार की।

10 मार्च, 2013 को दियातरा (बीकानेर) में कृषि सम्मेलन आयोजित करने में भागीदारी की गई।

15 सितम्बर, 2013 को दिल्ली श्रमिक संघ के साथ स्टडी सर्किल लगाया।

15 से 18 दिसम्बर, 2013 को लहरागागा में कृषि सम्मेलन में भागीदारी की। जनवरी, 2014 में रूपचन्द व सज्जनकुमार की प. बंगाल में मिटिंगें हुई।

18 से 23 फरवरी, 2014 प. बंगाल में बांग्लादेश के सार्क सदस्य से वार्ता की गई।

24 मार्च, 2014 को मुरली मनोहर जोशी अध्यक्ष, चुनाव घोषणा पत्र भा.ज.पा. द्वारा आयोजित दिल्ली बैठक में कृषि संबंधी एन.एच.सी.पी.एम. की अवधारणा को दर्ज करवाने में भाग लिया।

25 मार्च, 2014 को आम आदमी पार्टी को 'पार्टी कम मूवमेन्ट' दोनों गतिविधियां जारी रखने संबंधी लेटर इसके केन्द्रीय कार्यकारिणी को देने के लिए एक डेलीगेशन दिल्ली गया।

16 से 26 दिसम्बर, 2014 को पटना एवं बांका में मिटिंगें की।

जनवरी, 2015 में बिहार एवं प. बंगाल में युवा भारत की मिटिंग में भाग लेने एक डेलीगेशन गया।

27-28 दिसम्बर, 2014 को उदयपुर में अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के आयोजन में भागीदारी की गई।

8 से 10 मार्च, 2015 वर्धा (महाराष्ट्र) में कृषि पर किसानों की मिटिंग में भाग लिया। आयोजक विवेकानन्द मथाने, लिंगराज, सुभाष पालेकर, विजय पावडिया थे।

27 से 29 मार्च, 2015 को अहमदाबाद में मिटिंग (आयोजक सत्यप्रकाश एवं उत्तम भाई) में भाग लिया।

दिल्ली सहमति ग्रुप की प्रत्येक बैठक में डेलीगेशन भेजना। (दो बैठक दिल्ली, दो अहमदाबाद तथा एक बिजनौर में हुई)

2-3 अप्रेल, 2015 पर्यावरण एवं कृषि सम्मेलन, माखा, पंजाब में।

30 एवं 31 मई, 2015 को वर्धा में किसान आन्दोलन के मुद्दे पर बैठक में दो सदस्यों ने भाग लिया। जिसमें प्रस्ताव (i) खेती प्रकृति और मानव के अनुकूल हो (ii) प्राकृतिक आपदा से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई केन्द्र सरकार करें (iii) खरीफ की फसल का समर्थन मूल्य केन्द्रीय सरकार घोषित करें (iv) भूमि अधिग्रहण या इण्डस्ट्रियल कोरिडोर बनाने पर जनमत संग्रह करवाया जावे।

नेपाल भूकम्प की प्राकृतिक आपदा में -

(i) नेपाल में NHCPM के साथियों का राहत शिविर कैम्प स्थापित करने के कार्य में संयोजन किया।

(ii) इस कैम्प को भारत से गेहूं, चावल की राहत सामग्री पहुंचाई। कैम्प से दूर के इलाके में आपदा प्रभावित जनता तक राहत सामग्री पहुंचाने के लिए नकद राशि भी दी गई।

(iii) अभी भी बर्तन, कपड़े आदि दो क्विंटल सामग्री व कुछ नकद राशि बची है, जिसे नेपाल के साथियों से वार्ता करके राहत प्रभावित लोगों तक पहुंचाना एवं आगे भी यह कार्य जितना संभव हो, जारी रखना।

इसके अलावा राज्य स्तर पर कई गतिविधियां की गई, जिन्हें प्रान्तीय

कमेटी की रिपोर्टों में देखा जा सकता है।

C.W.- I से IV तक का 4 प्रकाशन अंग्रेजी में हो चुके हैं, 5वें का प्रकाशन तैयार है।

भाग - I & II हिन्दी में प्रकाशन किया गया।

Website Design की गई।

IV

बैठकों में उठे सवालों के बारे में-

(i) सदस्यता - सचेत स्वीकृति प्रोग्राम एवं संविधान की। फीस नहीं। व्यवहार में समर्पित, सक्रिय एवं हमदर्दी से कार्यरत तीन स्तर के सदस्य लेकिन अधिकार एवं कर्त्तव्य में कोई भेद नहीं।

(ii) पदनाम - संयोजक हो, अध्यक्ष नहीं। अनुशासन के लिए अध्यक्ष हो, संयोजक मण्डल हो। अध्यक्ष एन.एच.सी.एम. संविधान में लोगों के सशक्तिकरण के खिलाफ है। वह पावर का प्रतिनिधित्व करता है। जिम्मेवारी बांटने के लिए पद हो, नाम कुछ भी हो। हर पुरानी चीज खराब नहीं होती।

अध्यक्ष पद पश्चिमी राजनीतिक पार्टियों से, सचिव प्रमुख की धारणा कम्युनिस्ट पार्टियों से, संयोजक जन आन्दोलनों से आया। अन्य संगठनों से विचार या अन्तरक्रिया के वक्त अध्यक्षीय बात को महत्व दिया जाता है।

(iii) कमेटी कहा जाए या कम्पेन कमेटी। आन्दोलन या अभियान कहा जाए।

V

वित्त के बार में धारणा - केन्द्रीय कमेटी के पास कोई कोष नहीं है।

फैसलों को लागू करने की जिम्मेवारी प्रान्तीय या जिला इकाइयां लेती है। अभी तक की सभी गतिविधियों में वित्तीय प्रबंध की जिम्मेवारी नीचे की इकाइयों ने ही पूरी की है।

VI

प्रकाशन - आर.पी. सराफ द्वारा लिखित-सम्पादित पत्रिकाओं का अंग्रेजों में संकलन भाग-5 हो गया है तथा हिन्दी में भाग-2 हो गया है, तीसरा भाग प्रेस

में है।

चुनाव पर्चा तथा प्रोग्राम संविधान को उर्दू में छपवाया गया है।

तमिल में एक लेख छपा है।

नेपाली भाषा में कई लेख छपे हैं।

VII

प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन की भारत स्तरीय कमेटी बैठक और सांगठनिक गतिविधियों में महाराष्ट्र से विलास सोनवणे, शोभा कराण्डे, अरुण कराण्डे, शशिकान्त, कर्णाटक से सुमन्त ग्रामले, सनमनी सीडप्पा, बिहार से शत्रुघन डांगी, उत्तर प्रदेश से प्रेमनाथ गुप्ता, हरियाणा से बलवान सिंह नेहरा पर्यवेक्षक के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाते रहे हैं।

प्रस्तुत करने के बाद साथियों के सुझाव

1. महिला कान्फ्रेंस के निर्णयों को शामिल किया जावे।
2. यूथ कान्फ्रेंस की रिपोर्ट जोड़ी जावे।
3. पंजाब में काम की रिपोर्ट दर्ज की जावे।
4. जम्मू–कश्मीर में काम की रिपोर्ट शामिल की जावे।

5 से 8 अक्टूबर, 2017 को लहरागागा, पंजाब में आयोजित

प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के तीसरे अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रस्तुत (जून, 2015 से सितम्बर, 2017 तक की) रिपोर्ट

प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के दूसरे अखिल भारतीय सम्मेलन को जम्मू एवं कश्मीर प्रान्त के स्वानखां (साम्बा) नामक कस्बे में 8 से 10 जून, 2015 को आयोजित किया गया था। इस दूसरे सम्मेलन में अ.भा. कमेटी का गठन किया गया। इनके नाम इस प्रकार है—सज्नकुमार अध्यक्ष, मोतिया बेद उपाध्यक्ष, दीदारसिंह महासिचव, सुखदेवसिंह कोषाध्यक्ष, रूपचन्द मखनोत्रा सदस्य, प्रेमसिंह नामधारी, गिरधारीराम, मन्नाराम, घनश्याम, सुमन्त ग्रामले, शुत्रुघ्नडांगी, प्रवीण कुमार प्रणव, बृजबाला, गुरदर्शनसिंह खटड़ा, गुरलाभसिंह, कुलवन्तसिंह, सत्यप्रकाश भारत, नागेश्वर, शकुन्तला सरूपरिया, बलवान नेहरा, सन्थानम, एन.पी. सामी, सुसाईराज, जी.एन. रेड्डी सभी सदस्य। प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन (NHCPM) की प्रान्तीय कमेटियां जम्मू–कश्मीर, पंजाब तथा राजस्थान में नियमित रूप से कार्यरत हैं। बिहार, उड़ीसा, कर्णाटक, प. बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडू में एन.एच.सी. पीएम. के सदस्य काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात में अन्य संगठनों के साथ काम चल रहा है। उत्तराखण्ड, हिमाचल, पाण्डिचेरी, केरल, असम, मिजोरम, सिक्किम में सम्पर्क है।

द्वितीय सम्मेलन में गठित 24 सदस्यों की कमेटी की 9 बैठकें हुई हैं। पहली 10.6.2015 स्वानखां, दूसरी 5–7 अगस्त 2015 बीकानेर, तीसरी 30 नवम्बर–2 दिसम्बर 2015 लहरागागा, चौथी 18–20 मार्च, 2016 सांबा, पांचवीं 26–28 अगस्त, 2016 उदयपुर, छठी 5–6 नवम्बर 2016 भूपाल, सातवीं 25–27 फरवरी, 2017 दिल्ली, आठवीं 13–14 मई 2017 भूपाल, नौवीं 11–12 अगस्त, 2017 उदयपुर।

अ.भा. कमेटी की प्रथम बैठक स्वानखां, साम्बा (जम्मू कश्मीर) में हुई जिसका एजेण्डा (1) पदाधिकारियों का चुनाव (2) द्वितीय सम्मेलन के फैसलों को लागू करना तथा (3) अगली बैठक की तारीख एवं स्थान तय करना था।

इस बैठक में उपस्थित 20 सदस्यों में से सज्जनकुमार को अध्यक्ष, मोतिया बेद को उपाध्यक्ष, दीदारसिंह को महासचिव तथा सुखदेवसिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। अगली बैठक की तारीख 5 से 7 अगस्त, 2015 तथा स्थान बीकानेर तय किया गया।

दूसरी बैठक 5 से 7 अगस्त, 2015 को बीकानेर में सम्पन्न हुई इसका एजेण्डा में निम्न बिन्दु थे—

I. **संगठनात्मक** (1) द्वितीय अखिल भारतीय सम्मेलन की समीक्षा जो 8 से 10 जून 2015 को स्वानखां में आयोजित हुआ (2) रिपोर्टिंग (3) सदस्यता बढ़ाना (4) सदस्यों को वक्ता बनाना (5) भारत के विभिन्न प्रान्तों में एन.एच.सी.पी.एम. की प्रान्तीय इकाइयों के गठन (6) अन्य प्रान्तों से अ.भा. कमेटी में सदस्यों को सम्मिलित करने, मनोनीत या पर्यवेक्षक चयन करने के बारे में (7) सार्क स्तर पर काम (8) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर काम विशेष तौर पर 30 नवम्बर से 10 दिसम्बर, 2015 को पेरिस में आयोजित यू.एन.ओ. के सम्मेलन में एन.एच.सी.पी.एम. की अन्तरक्रिया के बारे में (9) अन्य संगठनों एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों से अन्तरक्रिया के बारे में (10) आर.पी. सराफ द्वारा लिखित, सम्पादित एवं प्रकाशित पत्रिकाओं एवं इनके संकलन के रखरखाव एवं सुलभ उपलब्धता के बारे में (11) नेचर-ह्यूमन सेन्ट्रिक व्यूपाइंट के आगे प्रकाशन के अंक निर्धारण के बारे में (12) एन.एच.सी.पी.एम. की गतिविधियों के प्रकाशन के बारे में (13) वेबसाइट के बारे में (14) टी.वी. चेनल पर सदस्यों के भाषण प्रसारण के बारे में (15) सदस्यों की व्यक्तिगत समस्याएं यदि कोई हो।

II. **व्यवहारिक** (16) व्यवहारिक काम (i) कृषि अभियान की योजना (ii) महिला या लिंग समानता विषय पर काम (iii) युवा सम्मेलन (iv) महाशक्तिवाद एवं आतंकवाद के खिलाफ अभियान (v) युद्ध विरोधी अभियान (vi)कश्मीर समस्या पर काम (vii) मजदूरों, मेहनतकशों में काम (viii) लोगों की दिन प्रतिदिन की समस्याओं पर काम (ix) सामाजिक सुरक्षा एवं जनसंख्या नियंत्रण अभियान (x) सांस्कृतिक अभियान (xi) संसदीय संस्थानों में लोगों की भागीदारी या लोगों के नेतृत्व में लोकतंत्र पर काम।

III. सैद्धान्तिक (17) निम्नलिखित विषयों (दस्तावेजों) का अध्ययन (i) मानव समाज में परिवर्तन एवं विकास को समझने का एक प्रयास (ii) सही एवं गलत में फर्क का सवाल (iii) प्रोग्राम एवं संविधान (iv) जम्मू कश्मीर समस्या के संबंध में एक वास्तविक व्यवहारिक एवं तर्कसंगत अवधारणा (v) मानव समाज में घातक कृषि संकट (vi) नेपाल में भूकम्प त्रासदी।

अ.भा. कमेटी की तीसरी बैठक 30 नवम्बर, 2015 से 2 दिसम्बर, 2015 तक लहरागागा, पंजाब में हुई। इसका एजेण्डा निम्नानुसार था—

भाग-I सैद्धान्तिक (1) संयुक्त राष्ट्र महासचिव के जरिए सरकार प्रमुखों एवं राष्ट्राध्यक्षों को प्रेषित पेरिस सम्मेलन की अपील का अध्ययन (2) कृषि नीति एवं (3) संगठनात्मक एवं व्यवहारिक काम पर विचार-विमर्श।

भाग-II रिपोर्टिंग (4) पिछली बैठक के निर्णयों को लागू करने के बारे में (5) कोई निर्णय लागू नहीं हुआ हो तो उसका कारण क्या रहा? (6) किसी सदस्य द्वारा किया गया नया काम, नया फैसला, अनुभव या सुझाव के बारे में भाग-III व्यवहारिक काम (7) ग्लोबल वार्मिंग या मौसम परिवर्तन के विषय पर अभियान (8) जी.एम. कृषि खासकर सरसों के कामर्शियल उत्पादन पर पंजाब, हरियाणा एवं केन्द्रीय सरकार की नीति के खिलाफ अभियान (9) 3-4 जनवरी, 2016 को पूना में महिला सम्मेलन के बारे में (10) कृषि विषय पर काम (क) पंजाब में (ख) राजस्थान में (ग) जम्मू कश्मीर में (घ) हरियाणा में (ड़) कर्णाटक में (च) भारत में कार्यरत कृषि संगठनों एवं कृषि ताकतों में समन्वय के बारे में (11) जम्मू-कश्मीर समस्या पर काम (12) यूथ विषय पर स्थानीय से अ. भारत स्तर पर काम (13) मजदूरों एवं मेहनतकशों में काम (14) प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन में सांस्कृतिक काम सम्मिलित करने के बारे में (15) सदस्यों की संख्या एवं गुणवृद्धि के बारे में (16) सदस्यों को वक्ता बनाने के बारे में (17) प्रान्तीय कमेटियों के काम के बारे में (18) जहां प्रान्तीय कमेटियां नहीं है वहां काम के बारे में (19) सार्क स्तर पर काम के बारे में (20) विश्व स्तर पर एन.एच.सी.पी.एम. के विस्तार के बारे में (21) आर.पी. सराफ द्वारा लिखित, सम्पादित एवं प्रकाशित पत्रिकाओं के संकलन (क) अंग्रेजी (ख) हिन्दी (ग) पंजाबी (घ) अन्य भाषाओं में प्रकाशन (ड़) प्रकाशित सामग्री का रखरखाव और सुगमता से उपलब्ध होने की व्यवस्था के बारे में (22) वित्तीय प्रबंध (क) संगठन का (ख) प्रकाशन का (ग) व्यक्तिगत (23) संसदीय संस्थाओं—पंचायत, नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम,

महानगर पालिका, विधान सभा एवं संसदीय चुनावों में काम (24) अन्य मित्र संगठनों के साथ एन.एच.सी.पी.एम. के किसी भाग, न्यूनतम साझा प्रोग्राम के आधार पर काम (25) अगली बैठक की तारीख एवं जगह।

अ.भा. कमेटी की चौथी बैठक 18 से 20 मार्च, 2016 को साम्बा (जम्मू-कश्मीर) में आयोजित हुई इसका एजेण्डा ये था—(1) काम की रिपोर्ट (2) अध्ययन (क) पेरिस सम्मेलन के दस्तावेज में दर्ज तात्कालिक, लघुकालीन एवं दीर्घकालीन कार्यक्रम का अध्ययन (ख) प्रोग्राम एवं संविधान के भाग III से VIII तक का अध्ययन (3) अपने व्यवहार में सुधार के बारे में (4) संगठनात्मक सिद्धान्तों को लागू करने के बारे में (5) अन्य संगठनों के साथ अन्तरक्रिया (क) पहले से ही सम्पर्क वाले जैसे (i) जीवन विद्या (ii) युवा भारत (iii) दिल्ली श्रमिक संगठन (iv) अ.भा. किसान समन्वय समिति (v) दिल्ली सहमति/दिल्ली वार्ता (ख) भारत एवं विदेश में अन्य संगठनों से सम्पर्क एंव अन्तरक्रिया के बारे में (6) एन.एच.सी.पी.एम. के प्रोग्राम के किसी भाग अथवा न्यूनतम साझा प्रोग्राम के आधार पर संयुक्त मोर्चा बनाना (7) एन.एच.सी.पी.एम. के अगले छः माह की योजना तय करना (8) कॉपरेटिव खेती के मॉडल के बारे में (9) पंचायत एवं स्थानीय चुनाव में भाग लेने के बारे में (10) अन्य प्रान्तों में विस्तार के बारे में (11) 4-5 जून, 2016 को बैंगलौर में मीटिंग के बारे में (12) आर.पी. सराफ की सालाना बरसी 24 जून पर कार्यक्रम के बारे में (13) सार्क स्तर पर काम (14) पंजाब में महिला सम्मेलन आयोजित करने के बारे में (15) आर.पी. सराफ द्वारा लिखित, सम्पादित एवं प्रकाशित पत्रिकाओं के संकलन के प्रकाशन (क) अंग्रेजी (ख) हिन्दी (ग) पंजाबी (घ) अन्य भाषाओं में (16) अगली बैठक की तारीख एवं स्थान।

उपर्युक्त चार बैठकों में प्रस्तुत एजेण्डा के अनुसार जो गतिविधियां की गई उनका विवरण इस प्रकार है।

दूसरे अखिल भारतीय सम्मेलन जो स्वान खां में आयोजित हुआ था उसकी समीक्षा में निम्नलिखित बिन्दु उभरे जैसे-

⋆ आयोजकों एवं प्रतिभागियों के बीच रिश्ता मेजबान-मेहमान जैसा बन गया है, यह मानसिकता बदली जानी चाहिए।

⋆ एन.एच.सी.पी.एम. की कान्फ्रेंस में संख्या के बजाए क्वालिटी की

प्राथमिकता हो।

⋆ कान्फ्रेन्स में मेन पावर की कमी थी, मेटिरियल की नहीं।

⋆ मौसम या अन्य परिस्थितियां बदले तो प्रबंधक कमेटी को प्रतिनिधियों की संख्या कम/ज्यादा करनी चाहिए।

⋆ खाने-पीने की आम व्यवस्था ठीक थी लेकिन विशिष्ट व्यवस्था भी करनी चाहिए थी।

⋆ प्रबंध अच्छा था, प्रतिनिधियों को जैसी भी व्यवस्था हो उस पर सन्तुष्ट होना चाहिए। सम्मेलनों में हम खाने-पीने के लिए नहीं जाते। कुछ विशिष्ट खाने-पीने का प्रबंध तो थोड़ा बहुत खुद को करने की कोशिश करनी चाहिए।

⋆ जम्मू के सदस्यों ने आल इण्डिया सम्मेलन की इतनी बड़ी पहल की है, इस सम्मेलन की जिम्मेवारी ली है, यह बड़ी बात है। मेन पावर कम हो तथा पैसे कम होने का तोड़ निकाला है लोगों से चंदा रुपयों में नहीं लेकर मेटिरियिल में लेकर 'पैसा नहीं है इसलिए कान्फ्रेंस नहीं हो सकती' का तर्क समाप्त कर दिया है।

⋆ माखा कांफ्रेंस और नेपाल भूकम्प त्रासदी में हमारे अभियान ने उपर्युक्त तर्क को सिद्ध कर दिया। लोग आलू, चावल, तेल आदि दे देते हैं, पैसों को ज्यादा महत्व देते हैं, मेटिरियल को कम महत्व देते हैं और सम्मेलन आदि में वो मेटिरियल की सहायता पैसों की तुलना में ज्यादा करते हैं।

⋆ टेन्ट, माईक, औरतों के नहाने का प्रबंध में सतुष्टि की कमी रही, लेकिन इनका प्रबंध बिना पैसों के या कम पैसों से स्वयंसेवी भावना से किया गया यह ज्यादा महत्वपूर्ण है।

⋆ सम्मेलन की जिम्मेवारी लेने में जम्मू के कुछ साथियों की झिझक (हेजीटेशन) समाप्त हुई।

⋆ एजेण्डा पांच दिन का था, तीन दिन में पूरा करने की कोशिश की गई, लेकिन मौसम बिगड़ने से यह पूरा नहीं हो सका था।

नेपाल भूकम्प त्रासदी में सहायता का केन्द्र पंजाब बना तथा भारत एवं नेपाल के बीच कॉर्डिनेशन का कार्य साथी सज्जन कुमार ने किया। सहायता में अनाज, कपड़े, बर्तन, टेन्ट आदि भेजे गए। दूरस्थ स्थानों तक सहायता पहुंचाने के लिए नकद सहायता की भी आवश्यकता थी, वह भी की गई। 22 जून 2015

को राहत देना नेपाल सरकार ने बंद कर दी थी, तब तक चार ट्रोलों में लगभग 90 टन अनाज भेजा गया। भारत सरकार ने 360 टन अनाज भेजा था। ट्रोले के साथ गुरलाबसिंह पंजाब से गए तथा उदयपुर राजस्थान से महेश नागदा और जालमसिंह राठौड़ सीधे नेपाल पहुंचे। पंजाब में भूकम्प सहायता के लिए 800 पर्चे पंजाबी में वितरित किए गए।

विभिन्न सदस्यों व स्थानीय इकाइयों द्वारा की गई रिपोर्टिंग ये थी—

जम्मू-कश्मीर के रजौरी, कटरा में सीनियर सिटीजन की मीटिंगें की गई, हीरानगर, उधमपुर में टीचर्स की मीटिंगें की। कर्मचारी संगठनों में काम की अपडेटिंग की गई। मौसम परिवर्तन की गंभीरता पर अभियान साथ-साथ चलाया। 7 से 31 जुलाई, 2015 के बीच 18 बार बादल फटना, ले-लद्दाक में बारिश कम होना, बर्फ नहीं बनना, सिम्पल मौसम परिवर्तन का द्योतक नहीं है। दिल्ली सहमति की बैठकों में 'सरकार बदलना व्यवस्था बदलना नहीं है, बल्कि कॉरपोरेट एजेण्डा की जगह प्रकृति-मानव केन्द्रित मानव समाज का एजेण्डा लाना व्यवस्था परिवर्तन है', का विचार पेश किया गया।

23 नवम्बर, 2015 को पेरिस में आयोजित यू.एन.ओ. सम्मेलन के लिए पंजाब के मानसा, बरनाला, संगरूर, लुधियाना, जालंधर, फरीदकोट, भटिण्डा में जिला कलक्टर के माध्यम से ज्ञान दिया गया। जम्मू-कश्मीर के साम्बा, कठुआ, उधमपुर में मीटिंगें एवं ज्ञापन दिये गये। राजस्थान के बीकानेर, श्रीगंगानगर, राजसमंद, उदयपुर जोधपुर में रैली और ज्ञापन दिये गये। कर्णाटक के बिदर तथा बिहार के बांका में भी ज्ञापन दिये।

27-29 सितम्बर, 2015 को जोधपुर में युवा सम्मेलन आयोजित किया गया। 3-4 जनवरी, 2016 को पूना महाराष्ट्र में महिला सम्मेलन में भागीदारी की। 4-5 जून, 2016 को बैंगलोर में सस्टेनेबल विकास एवं इक्वलिटी पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। जम्मू में फोरम फॉर पीस, डेमोक्रेसी एण्ड हारमोनी की मीटिंग की गई।

सदस्यता में गुणात्मक एवं संख्यात्मक वृद्धि के लिए प्रदर्शनी, पोस्टर, स्लाइड शो तैयार करने का निर्णय हुआ। इस दिशा में वर्कशॉप लगाने का तय हुआ। कुछ व्यक्तिगत काम हआ लेकिन इसे वर्कशॉप लगाकर एकीकृत नहीं किया जा सका है।

भारत में प्रान्तीय इकाइयों के गठन की दिशा में कई प्रयास किए गए हैं। इस क्रम में बिहार (में शत्रुघन डांगी, प्रवीण प्रणव, उपेन्द्र मोहन ठाकुर) तथा बैंगलोर में सभी सम्पर्कों की मीटिंग की। पवन चन्द्रण, मदन, संथानम, स्टीला, डेविड, एन.पी. सामी, नागेश्वर आदि सक्रिय हुए। संथानम ने चैन्नई बाढ़ में काफी काम किया। इन्होंने खेती, पर्यावरण, भूमिहीन, महिलाओं और बच्चों में काम किया है। उड़िसा में सिद्धार्थ, प्रदीप आदि से सम्पर्क किया। अहमदाबाद एवं दिल्ली में 'दिल्ली सहमति' की बैठकें की।

यू.एन.ई.पी. के सदस्य तथा वैज्ञानिक सागर धारा की दिल्ली के पर्यावरण ठीक करने, ऊर्जा, पीक ऑयल, ग्लोबल वार्मिंग के मुद्दों पर दिल्ली में बैठकें की गई।

कृषि विषय पर कई सेमीनार, सम्मेलन किए गए। खेती-विरासत, कुदरती खेती एवं स्वास्थ्य विषय पर मिटिंगे की। अखिल भारतीय किसान समन्वय समिति की कई मिटिंगे की गई इस समन्वय समिति में आजादी बचाओ आन्दोलन, किसान फोरम, एन.एच.सी.पी.एम, भारत जन आन्दोलन, समाजवादी जन परिषद, भारतीय किसान यूनियन आदि संगठन तथा अमरनाथ भाई, विवेकानन्द, ज्ञानसिंह, जीवन विग, लिंग राज, जोशी जैकब, विपिन भाई पटेल आदि सामाजिक कार्यकर्त्ता है।

सेवागाम, बड़ोदा में तथा होशंगाबाद में समाजवादी जन परिषद की मिटिंगों में भाग लिया। अक्टूबर, 2015 में मघरसिंह की बरसी पर किसान फ्रंट को जोड़कर काम किया। 28-29 अक्टूबर 2015 को दिल्ली में जन्तर-मन्तर पर खेती विषय को डब्ल्यू.टी.ओ. से बाहर रखने सहित 10-15 मुद्दों पर उपवास में भाग लिया।

(1) 2-3 अक्टूबर, 2015 में खेतीबाड़ी एवं किसान विकास फ्रंट का सम्मेलन, (2) 15 नवम्बर, 2015 को घड़साना में किसान सम्मेलन किया गया। फरीदकोट, बरनाला में 3000 पर्चे वितरित किए गए। (3) 20 नवम्बर 2015 को अजीतसिंह मेहमूवाना की बरसी पर किसान सम्मेलन। (4) 10 दिसम्बर 2015 को जी.एम. सरसों के विरोध में पंजाब के सभी जिलों में ज्ञापन दिया गया। 17 मार्च 2016 को साम्बा (जम्मू-कश्मीर) में किसान सम्मेलन आयोजित किया गया। (5) 24-25 जनवरी, 2016 को जयपुर में कृषि सम्मेलन

में भाग लिया। पंजाब में जी.एम. एवं रसायनिक खेती के खिलाफ तथा प्राकृतिक खेती पर रेगूलर कम्पयेन (Compaign) चल रही है। (6) फरवरी 2016 में श्रीगंगानगर में किसान सम्मेलन किया गया।

राजस्थान के उदयपुर जिले में बजरी खनन के खिलाफ आन्दोलन की लड़ाई लड़ी गई। स्थानीय से सुप्रीम कोर्ट तक तथा फिल्ड में जिन नदियों से बजरी उठाई जा रही थी, वहां रोक लगवाई गई। खनन ढांचे तोड़े गए। तथा पुलिस चौकी लगवाई। किसानों को मिट्टी, पानी ठीक करने का मुआवजा (खनन के कारण हुए नुकसान का) आदेश सुप्रीम कोर्ट से पास हो गया। लेकिन अभी मुआवजा दिया नहीं हैं।

7 से 9 अगस्त 2015 तथा 30-31 जुलाई से 1 अगस्त 2016 को राजस्थान एन.एच.सी.पी.एम. के प्रान्तीय सम्मेलन आयोजित हुए। जनवरी, 2016 में कर्णाटक, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु में मिटिगें की। प. बंगाल में रूपायन भट्टाचार्य, मीता, ज्योर्तिमय गोस्वामी, तरूण, सागरिका से सम्पर्क किया। उत्तर प्रदेश में ठाकुर उदयवीरसिंह चौहान के पुत्र सुरेश चौहान से सम्पर्क करने का तय किया गया। अहमदाबाद में उत्तम भाई के यहां युवाओं का शिविर लगाया गया।

कर्णाटक के बीदर में इजीनियरिंग कॉलेज में मिटिंग की गई। हैदराबाद में न्यायमंच की शांति चावला एवं सागरधारा के साथ मिटिंगे की। छोटी पार्टियों के साथ बाल कृष्ण राव ने मिटिंगें करवाई। आई.आई.आई.टी. में तीन मिटिंगे की।

कर्णाटक में कन्स्ट्रक्शन वर्कर तथा आप पार्टी के सदस्यों के साथ मिटिंगे की। कूप्पम आंध्रप्रदेश में द्रविड़ियन यूनिवर्सिटी के पी.जी. स्टूडेन्ट्स के साथ आईटीआई एवं Polytechnic College में मिटिंगे की। कोयम्बटूर एवं चैन्नई में 20-30 नागरिकों के साथ मिटिंग की। दिल्ली में दिल्ली श्रमिक संघ के साथ अन्तरक्रिया की। पंजाब में स्टेट कान्फ्रेंस की गई तथा स्टेट कमेटियों का गठन किया गया। चार जिलों में पेरिस सम्मेलन के दस्तावेजों को लाईन टू लाईन पढ़ा गया। बुढलाठा, बेरठा में लेक्चर किया। सेवासिंह ठीकरीवाला में धार्मिक, सरकारी एवं सरकार विरोधी 8-10 हजार लोगों के कार्यक्रम में भाग लिया। 14 मार्च को तरसेम की बरसी मनाई। 5 फरवरी, 2016 को पन्शनर्स की मिटिंग की।

पूना में गठित महिला कमेटी की दिल्ली बैठक में महिला प्रतिनिधियों ने

भाग लिया।

स्थानीय संसदीय संस्थाओं में उम्मीदवार के लिए स्पोन्सर्ड मतदाताओं की संख्या 50, 10 एवं 5 की कोशिश तय की गई। उम्मीदवार पार्टी का न हो, सर्वसम्मति की कोशिश हो Fair तरीके इस्तेमाल हो। चुनाव पार्टी, धन, सत्ता, नशा, धर्म, जाति से मुक्त हो। राजस्थान में पंचायत चुनाव में अल्पना पूनीया को चुनाव में खड़ा करके सघन चुनाव प्रचार अभियान चलाया गया।

अखिल भारतीय कमेटी में अन्य प्रान्तों से सदस्य, पर्यवेक्षक सम्मिलित करने के मुद्दे पर यह निर्णय लिया गया कि बैठक आमतया विस्तृत बुलाई जावे।

सार्क स्तर पर काम पहले बाई लेटरल यानि दो देशों के बीच तथा सितम्बर, 2016 तक दिल्ली में छोटी सार्क बैठक बुलाई जाए। इस दिशा में सार्क सम्मेलन हेतु तथा उसी देश में मिटिंग के लिए सम्पर्क किए है। दो सदस्यों का एक दल नवम्बर, 2016 में श्रीलंका भेजा गया।

श्रीमान आर पी सराफ के संकलन इंग्लिश के 5 तथा हिन्दी के 2 भाग प्रकाशित हुए है। नेचर-ह्यूमन सेन्ट्रिक व्यूप्वांइट की पत्रिकाओं का पुन: प्रकाशन भी किया है। सार्क की अभी तक की गतिविधियों की पत्रिका अंग्रेजी में छपवाई है।

24 जून को सराफ साहब की बरसी को प्रान्तीय एवं जिला स्तर पर वहां की परिस्थिति के अनुसार मनाने का तय किया गया।

पांचवी बैठक - 26 से 28 अगस्त 2016, उदयपुर

इस बैठक का एजेण्डा

भाग - I सैद्धान्तिक (अध्ययन)

1. बाली कान्फ्रेस में भेजे गए दस्तावेज में दर्ज तत्कालिक, लघुकालीन तथा दीर्घकालीन कार्यक्रम का अध्ययन एवं उस पर विचार-विमर्श

2. 'मानव समाज में परिवर्तन एवं विकास को समझने का एक प्रयास' लेख का अन्तिम भाग ''सार संक्षिप्त'' का अध्ययन एवं विचार-विमर्श।

3. 'सही एवं गलत में भेद का सवाल' नामक लेख का अध्ययन।

4. प्रोग्राम एवं संविधान में दर्ज संगठनात्मक सिद्धान्त पर विचार-विमर्श

भाग-II व्यवहारिक

5. रिपोर्टिंग

6. नेपाल एन.एच.सी.पी.एम. कान्फ्रेस 9-10 सितम्बर, 2016 के बारे में

7. किसान समन्वय समिति की पंजाब के माखा, मानसा में 16 से 18 सितम्बर, 2016 की बैठक के बारे में।

8. 25 से 27 सितम्बर, 2016 पालघर महाराष्ट्र में युवा भारत एवं आदिवासी संगठन के संयुक्त संगठन में भाग लेना तथा दिल्ली मुम्बई औद्योगिक गलियारा (DMIC) पर NHCPM की अवधारणा प्रस्तुत करने के बारे में।

9. प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान की आगे की गतिविधि के बारे में।

भाग-III संगठनात्मक

10. सदस्यता सक्रीय करने के बारे में (क) गुण में (ख) संख्या में वृद्धि

11. अन्य संगठनों से अन्तरक्रिया एवं संयुक्त मोर्चा बनाना

12. भारत के अन्य प्रान्तों में काम के विस्तार के बारे में

13. सार्क देशों एवं विश्व के अन्य देशों में काम बढ़ाने के बारे में

14. कुछ संगठनात्मक सवालों के बारे में

15. प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के प्रकाशन एवं रखरखाव पर

16. वित्त, प्रकाशन एवं संगठनात्मक विषयों के बारे में

भाग-IV योजना

(17) स्टडी सर्किल लगाना, (18) सार्क व विश्व में सम्पर्क करना। (19) तीसरा महिला सम्मेलन आयोजन करना। (20) तीसरा अ. भारतीय सम्मेलन एन.एच.सी.पी.एम. की तैयारी करना।

भाग-(V) वित्तीय प्रबंध

(21) प्रकाशन का (22) संगठन का (23) पिछली बैठकों के एजेण्डों के वो बिन्दू जो छूट गए हों जैसे कश्मीर समस्या पर सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक काम की योजना, (24) अन्य कोई विषय जो सदस्य चाहे।

पांचवी बैठक के एजेण्डों को लागू करने संबंधि कार्यवाही ये रही – बिन्दू (6) पर तय किया गया कि नेपाल कान्फ्रेस में A-4 साईज में चार दस्तावेज की 200 कॉपी ले जाई जाए। दस्तावेजों के नाम (i) इन्टरनेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक

व्यूप्वाइंट से प्रकृति-मानव केन्द्रित व्यूप्वाइंट (ii) मानव समाज में परिवर्तन एवं विकास का एक प्रयास (iii) अंक नं. 206 (iv) राजनीतिक पार्टियों की वर्तमान युग में भूमिका।

बिन्दू (8) पालघर मिटिंग के लिए तात्कालिक व दीर्घकालीन प्रोग्राम की A-4 साइज में 100 कॉपी ले जाना तय हुआ जिसे लागू किया। बिंदू (9) के तहत किसान समन्वय समिति की बैठक 16-17 सितम्बर, 2016 को माखा पंजाब में आयोजित करने का तय हुआ।

बिन्दू (19) महिला सम्मेलन पंजाब में प्रस्तावित करना।

बिन्दू (23) कश्मीर समस्या पर जम्मू के प्रेस क्लब पर प्रदर्शन किया। पेलटगन एवं कश्मीर में मानवाधिकारों का हनन के खिलाफ प्रदर्शन। सिविल सोसाईटी के नाम से News भी आई।

Forum for peace, democracy, communal Harmony के बैनर से पहले सेमीनार तथा बाद में 100-150 लोगों का धरणा दिया गया। यह फैसला लिया गया कि कश्मीर विषय पर NHCPM का अलग से प्लेटफॉर्म बने।

बिन्दू (10) पर उपेन्द्र मोहन ठाकुर ने कहा कि स्थानीय से भारत स्तर की हर इकाई की नियमिक बैठक हो। हर स्तर पर सैद्धान्तिक, व्यवहारिक चर्चा हो। उपस्थिति सुनिश्चित हो। मनीन्दर सिंह ने कहा काम स्वयं के घर से शुरू करें। मन्नाराम डांगी ने कहा कि आन्दोलन में Extended Family का माहौल बने। सुखदेवसिहं ने कहा कि संगठनात्मक मिटिंग या छोटी मिटिंगें सदस्य के घर पर हो। परिवार के सदस्यों को शामिल किया जाए। शकुन्तला सरूपरिया ने कहा छोटे स्तर पर स्टडी सर्किल हो, सरल साहित्य बने, नाटक, कविताएँ आदि हो कलाकार जोड़े, यूथ व बच्चों को जोड़े। घनश्याम, सज्जनकुमार तथा मन्नाराम ने कहा कि प्रत्येक सदस्य किसी न किसी जन संगठन में भाग ले तथा यूनिट भी तय करे।

बिन्दू (11) व (12) पर काम बाकी रहा। (13) सार्क देशों में जाना तय हुआ, खासकर नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका व पाकिस्तान में।

बिन्दू (14) संगठनात्मक सवाल कि 4-5 लोग ही निर्णय लेते है। इस पर तथ्य/तर्क दिया गया कि प्रत्येक निर्णय मिटिंगों या कान्फ्रेस में होता है।

काम की रिपोर्ट पेश करते हुए रूपचन्द मखनोत्रा ने कहा कि जम्मू की नई

बस्ती में जम्मू-कश्मीर समस्या एवं वाटर ट्रीटमेन्ट विषय पर मिटिंग की गई। 6 अगस्त, 2016 को हिरोशिमा दिवस मनाया। 23 मार्च, 2016 को भगतसिंह जयन्ति मनाई, जिसमें BJP, CPI ML आदि ने भाग लिया। रेडियो इन्टरव्यू दीदारसिंह तथा रूपचंद का हुआ। दिल्ली, उदयपुर Study Circle तथा किसान सम्मेलन में भाग लिया।

Science कॉलेज, पोलिटेक्निक कॉलेज, B.Ed.कॉलेज में मिटिंगें की। उधमपुर किसान पंचायत की मिटिंग में भाग लिया। स्वानखां में मिटिंग की। यूथ की मिटिंग भी की।

रिपोर्ट पेश करते हुए सुखदेव सिंह पंजाब ने कहा कि किसान कार्डिनेशन कमेटी की अप्रेल, 2016 की मिटिंग में मनीराम व सज्जनकुमार के साथ रायपुर में भाग लिया। अछोटी में जीवन विद्या के साथ मिटिंग की। भवानी पटना उड़िसा में 100 विद्यार्थियों के साथ मिटिंग भगतसिंह के विषय पर की। भवानी पटना के पास कस्बे में 400-500 किसानों की मिटिंग 10 से 4.30 बजे तक मिटिंग चली। स्थानीय सदस्यों का उत्साह बढ़ा BJD के MLA ने भी भाग लिया।

मानसा में Mobil Tower के खिलाफ आन्दोलन किया।

NHCPM की प्रान्तीय कमेटी की बैठकें नियमित होती है।

लघुकालीन कार्यक्रम के 15 प्वाइंट को पंजाबी भाषा में 10,000 पर्चे वितरित किये। पेरिस अपील भी पंजाबी में 1500 बांटी।

बिन्दू (20) पर तय किया कि NHCPM की ALL India Conference पंजाब में होगी। जगह व दिनांक बाद में तय होगी।

बिन्दू (21), (22) व (23) पर विचार-विमर्श हुआ। जिन पर थोड़ा काम हुआ या नहीं हुआ। इन बिन्दूओं में निम्नलिखित विषय रहे।

श्रीमान् आर.पी. द्वारा लिखित पत्रिकाओं के हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी, के संकलन के आगे प्रकाशन का अंक निर्धारण, NHCPM की गतिविधियों का प्रकाशन, वेब साइड, टेलीविजन पर सदस्यों के प्रसारण, सदस्यों की व्यक्तिगत समस्याएँ, युवा सम्मेलन, महाशक्तिवाद एवं युद्ध के खिलाफ अभियान, कश्मीर समस्या पर काम, सामाजिक सुरक्षा एवं जनसंख्या नियन्त्रण अभियान, संसदीय संस्थाओं में लोगों की भागीदारी या लोगों के नेतृत्व में लोकतंत्र की दिशा में

काम।

छठी बैठक – 5-6 नवम्बर, 2016

भूपाल, मानसा (पंजाब)

एजेण्डा

(1) रिपोर्टिंग एवं पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों को लागू करने के बारे में।

(2) वर्तमान विश्व एवं देश की वर्तमान हालात पर सदस्यों की राय के बारे में।

(3) हमारे प्रोग्राम एवं संविधान के मुख्य बिन्दू संगठनात्मक सिद्धान्त की रोशनी में व्यवहारिक काम का मूल्यांकन।

(4) प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन (एन.एच.सी.पी.एम.) के एजेण्डा को लागू करने में हमारी बाधाएं और–

(क) समझ को गहरा करने के लिए प्रत्येक सदस्य को क्या करना चाहिए, (ख) प्रत्येक इकाई, सामूहिक एक्शन कैसे करें? (ग) नए सदस्यों एवं नई इकाई को गठित करने के बारे में, (घ) लोगों को प्रेरित करके और भागीदार बनाकर जन आन्दोलन को कैसे विकसित एवं व्यापक बनाएं।

(5) पर्यावरणवादी, मानवतावादी और अन्य संगठनों व NGOके साथ हमारे संबंध मजबूत करने के बारे में।

(6) विषय आधारित संयुक्त मोर्चा के बारे में और हमारी पहल।

(7) इनके आधार पर लघुकालीन एवं दीर्घकालीन प्लानिंग।

(8) प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान, खेतीबाड़ी एवं किसान विकास फ्रंट तथा अखिल भारतीय किसान समन्वय समिति का Cordination तेज करने के बारे में।

(9) "संवाद" या "दिल्ली सहमति" की गतिविधियां शुरू करने के बारे में।

(10) आदिवासी एकता परिषद, युवा भारत तथा एन.एच.सी.पी.एम. की तैयारी समिति की गतिविधि के बारे में।

(11) Platform for sustainability and Equity के बारे में।

(12) मार्च, 2017 को कोलकोता मिटिंग जिसे विनायक सेन द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें बिहार, असम, उड़िसा के लोग शामिल हो रहे हैं, में भाग लेना।

(13) Bangladesh, Nepal, Srilanka, Bhutan, Maldives, Pakistan सम्पर्क करके SAARC Conference की तैयारी की दिशा में काम करना।

(14) कश्मीर समस्या एवं भारत-पाक तनाव पर हमारी समझ।

(15) फरवरी, 2017 के पंजाब चुनाव के बारे में।

(16) प्रकाशन, Web Site आदि।

छठी बैठक जो 5-6 नवम्बर, 2016 भूपाल, पंजाब में हुई। जिसके एजेण्डा के (1) से (4) बिन्दू पर विचार-विमर्श में आर.आर. चौधरी ने कहा कि हर सदस्य प्रोग्राम, संविधान को हमेशा प्रतिदिन पढ़ें। सामयिक विषयों पर भी चर्चा हो, जैसे सर्जिकल स्ट्राईक। लोगों में अन्तरक्रिया निरन्तर हो, राजनीतिक पार्टियों के लोगों से भी इन्टरएक्शन करना चाहिए। फिर उन्हें NHCPM यूनिट से जोड़े, बड़े लेवल पर तथा छोटे स्तर पर सेमीनार, आन्दोलन भी हो ताकि समझ बढ़े तथा लोगों को भी जोड़ा जा सके।

देशराज ने कहा कि प्रेक्टिस की जरूरत है, ऐजीटेशन हो। प्रेमसिंह नामधारी ने कहा कि प्रोग्राम, संविधान टिप्स पर याद होना चाहिए ताकि लोगों को बता सके। जहां भी हम है अन्य संगठनों को भी अपने कार्यक्रमों में शामिल करे तथा अन्यों के प्रोग्रामों में भी जाना चाहिए। ग्रुप-डिसकशन जरूर हो। अशोक भगत ने कहा कि अध्ययन बहुत जरूरी है साथ ही प्रेक्टिश। शुरूआत व्यक्तिगत सम्पर्क, परिवार तथा मित्रों से की जानी चाहिए। अनजान से शुरू करना चाहिए लेकिन फोलोअप जरूरी है। इमीडीएड एजेण्डा, सोर्ट टर्म एजेण्डा पर रेगूलरली, एग्रेसीवली टेकअप/हाथ में लेना चाहिए।

प्रेमनाथ गुप्ता ने कहा कि अखिल भारत स्तर पर NHCPM के एजेण्डा को Explain करने वाले सदस्यों की संख्या कम है। देश विदेश की घटनाओं का भी विश्लेषण हो। नौजवानों को जोड़ा जाना चाहिए। Full Time सदस्य की संख्या ज्यादा हो तो फोलोअप भी होगा।

एजेण्डा के बिन्दू (5) (6) (7) पर काम चल रहा है। बिन्दू (8) पर काम चल रहा है। इस दिशा में प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान की बैठक

(30-31 दिस. 2016 तथा 1 जनवरी, 2017) बीकानेर में करने का तय किया गया। बिन्दू (9) संवाद/दिल्ली वार्ता अभियान फोलोअप नहीं हुआ। बिन्दू (10) से संबंधित कार्यक्रम में भाग लेने तथा इस हेतु दस्तावेज प्रकाशन एवं वितरण का तय किया गया। बिन्दू (11) के मुताबिक Platform for Sustainable and Equity पर रिपोर्ट हुई। तथा आगे फोलोअप के लिए कोलकोता मिटिंग आयोजन में बिहार, असम, उड़िसा के NHCPM सदस्य एवं सम्पर्क को शामिल करने का तय किया गया। जिसमें विनायक सेन द्वारा आयोजित करने का प्रस्तावित था।

बिन्दू (13) नेपाल, बांग्लोदश, श्रीलंका, भूटान, मालद्वीप, पाकिस्तान सम्पर्क करना प्रस्तावित रहा। नेपाल गए, श्रीलंका एवं बांग्लादेश जा न सके लेकिन ई-मेल एवं टेलीफोन से सम्पर्क किया गया। अन्य सार्क देशों में भी जा नहीं सके।

बिन्दू (14) कश्मीर समस्या पर काम के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। बिन्दू (15) पंजाब चुनाव, फरवरी 2017 में पर्चे वितरण एवं मिटिंगें करने का तय किया गया। बिन्दू (16) पर काम पहले की तरह जारी रहा।

सांतवी बैठक – 25 से 27 जनवरी, 2017

दिल्ली

एजेण्डा

(1) पिछले फैसलों के बारे में।

(2) रिपोर्टिंग

(3) एन.एच.सी.पी.एम. की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रस्ताव के बारे में।

(4) महिला सम्मेलन के बारे में।

(5) एन.एच.सी.पी.एम. के अखिल भारतीय सम्मेलन के बारे में।

(6) श्रीलंका टूर (7) बांग्लादेश टूर (8) नेपाल टूर

(9) कोलकोता मिटिंग के बारे में (18-19 मार्च, 2017) यानि Foram for sustainability, Equity and Peace

(10) धारवाड़ मिटिंग 11-12 मार्च, 2017

(11) जम्मू-कश्मीर का विषय

(12) कृषि विषय पर – (क) 17–19 मार्च, 2017 किसान समन्वय समिति की आगरा बैठक, (ख) 3–4 मई, 2017 जिन्द, हरियाणा में सम्मेलन।

(13) पंजाब चुनाव (14) युवा मोर्चा (15) प्रकाशन, वेब साईट

(16) दिल्ली सहमति/संवाद के बारे में।

सांतवी बैठक के संदर्भ में सदस्यों द्वारा रिपोर्ट

आदिवासी एकता परिषद, युवा भारत तथा एन.एच.सी.पी.एम. की संयुक्त बैठकें 4 दिसम्बर, 2016 को उदयपुर, 5 दिसम्बर को जयपुर, 6 दिसम्बर 2016 को हिंसार तथा 7 दिसम्बर, 2016 को दिल्ली श्रमिक संघ के साथ हुई।

प्रकृति–मानव हितैषी कृषि अभियान की अखिल भारतीय कमेटी की विस्तारित बैठक का आयोजन 30–31 दिसम्बर, 2016 तथा 1 जनवरी 2017 को बीकानेर में किया गया। डूंगरगढ़ में भी एक मिटिंग पूर्व में किसान विषय पर की।

साम्बा के नड कस्बे में के.सी.सी. ऋण माफ पर मिटिंग की, ऋण माफ करने की घोषणा की, लेकिन माफ नहीं किए। कृषि जीवन रेखा है – इस बात पर जम्मू के प्रेस क्लब पर कार्यक्रम रखा, कार्बन क्रेडिट का मुआवजा को एक लाख करोड़ रुपये प्रतिवर्ष किसानों का बनता है, ग्रीन कवर के कारण इस कन्सेप्ट को भी किसानों में पेश किया। स्थानीय स्तर पर महिलाओं तथा यूथ की मिटिंगे की, उधमपुर में दो मिटिंगें की। जे.के. यूनाईटेड फोरमेशन का गठन किया। बीकानेर (राजस्थान) में प्रत्येक रविवार को मिटिंग होती है तथा विशेष दिवसों पर संगोष्ठी, जोधपुर में प्रतिमाह संगोष्ठी का आयोजन होता है।

इस बैठक में पंजाब में होने वाली अ.भा. महिला सम्मेलन की विस्तृत प्लानिंग की गई ताकि महिलाओं की भागीदारी देश के अधिकांश भाग से हो सके। इसके अलावा, आगरा में 17–19 मार्च, 2017 को किसान समन्वय समिति के सम्मेलन में भागीदारी, 18–19 मार्च, 2017 को कोलकोता में फोरम फोर ससटेनेबिलीटी, इक्यूटी एण्ड पीस की बैठक में भाग लेने, धारवाड़ मिटिंग 11–12 मार्च में शामिल होने की योजना बनाई।

3–4 मई, 2017 को जिन्द, हरियाणा में किसान सम्मेलन के आयोजन की तैयारी में सहयोग करने की प्लानिंग की गई।

इसी बैठक में प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के तीसरे अ.भा. सम्मेलन आयोजन हेतु जगह पंजाब के किसी शहर में करने का तय हुआ। इसके दस्तावेज क्या होंगे तथा उन्हें तैयार करने का निर्णय हुआ।

इस सम्मेलन में सार्क देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी करने हेतु वहां सम्पर्क करने तथा वहां जाने का तय किया गया।

सांतवी बैठक में 4 फरवरी, 2017 को होने वाले चुनावों के संबंध में प्रथम बार 20 हजार तथा दूसरी बार भी 20 हजार पर्चे बांटे गए। इनमें तात्कालिक कार्यक्रम के बिन्दू थे।

यूथ फ्रंट पर विचार–विमर्श हुआ तथा तय किया गया कि महिला संगठनों में लड़के–लड़कियां की भागीदारी बढ़ाएं ताकि यूथ का व्यवहारिक संगठन बनाया जा सके। इस संदर्भ में यूथ की बैठक अलग से हो जो युवा एन.एच.सी.पी.एम. की किसी गतिविधि में भाग लेने आये हों।

प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन का फाऊन्डेशन दिवस मनाने पर सुझाव आया कि सम्मेलन के रूप में, साप्ताहिक या एक माह मनाने का हो सकता है जिसे प्रान्तीय, जिला यूनिट तय करें।

एक सुझाव था कि प्रान्तीय कमेटी की मिटिंग सदस्य घर पर ही आयोजित करे जिससे परिवार के सदस्यों की भागीदारी होती है तथा वित्तीय भार भी कम होता है। प्रकाशित सामग्री तथा आर.पी.सराफ द्वारा लिखित पत्रिकाओं के संकलन पदाधिकारियों तथा कम से कम कमेटी सदस्यों के घर पर जरूर होना चाहिए। टाईम पंक्च्यूलटी तथा कमेटी में उपस्थिति प्राथमिकता से हो।

21 से 23 जनवरी, 2017 को किसान समन्वय समिति की बैठक (केरल) में सुखदेवसिंह ने भाग लिया।

अप्रेल, 2017 के प्रथम सप्ताह में कृषि सम्मेलन जम्मू में करने का तय हुआ।

इस बैठक में ओम सराफ ने भाग लिया। उन्होंने मिटिंग में कहा कि कुछ मतभेद हैं उन्हें फ्रेंडली हल कर लेंगे।

आठवीं मिटिंग – 13–14 मई, 2017

भूपाल, मानसा (पंजाब)

एजेण्डा

(1) पिछली मिटिंग में लिए गए फैसलों पर काम तथा रिपोर्ट।

(2) वर्तमान राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य के बारे में।

(3) जन प्रचार व जन आन्दोलन में संगठन की पूरी ताकत लगाना, नए व पुराने दोनों तरीके काम में लाना, सदस्यों व इकाइयों की सैद्धान्तिक, व्यवहारिक एवं संगठनात्मक समझ एवं क्षमता बढ़ाना, दूसरे शब्दों में जनता को संगठित करना, अन्य संगठनों के साथ संयुक्त मोर्चा बनाना, इसकी योग्यता विकसित करना।

(4) 5 से 8 अक्टूबर, 2017 को NHCPM के अ.भा. सम्मेलन को प्रभावी बनाना।

(5) 3-4 जून, 2017 को जिन्द, हरियाणा में प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान की विस्तृत बैठक एवं कृषि सम्मेलन करना तथा महिला कमेटी की विस्तृत बैठक आयोजित करना।

(6) 19 से 21 जुलाई, 2017 को धारवाड़ कर्णाटक में अ.भा. किसान समन्वय समिति की मिटिंग में भाग लेना।

(7) 9 से 11 जून, 2017 को रोशनलाल अग्रवाल द्वारा आयोजित बिजनौर (उ.प्र.) मिटिंग में भाग लेना।

(8) 1 जून, 2017 से पूना, पटना, विराटनगर, सिन्दूली, काठमाण्डू में मिटिंगें करना।

(9) 31 मई, 2017 को हिसार में मिटिंग करना।

(10) 29-31 मई, 2017 को आदिवासी एकता परिषद की DMIC पर मिटिंग।

(11) सितम्बर, 2017 से पहले ऑल इण्डिया के बचे प्रान्त तथा सार्क देशों से प्रभावी सम्पर्क बनाना।

आंठवी बैठक के एजेण्डे, रिपोर्टिंग पर मनीराम ने कहा कि श्रीगंगानगर का जिला सम्मेलन सूरतगढ़ में किया गया है। जहरमुक्त खेती पर गावों व श्रीगंगानगर में मिटिंगे की हैं। किसान समन्वय समिति द्वारा आयोजित मिटिंगों में भाग लिया। जयपुर विधान सभा के पास शहिदी चौक पर मिनिमम सपोर्ट प्राईस पर

उपवास में शामिल हुए। पंजाब में महिला सम्मेलन में श्रीगंगानगर से महिला प्रतिनिधियों की भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि जम्मू-कश्मीर समस्या पर काम की योजना, जम्मू-कश्मीर प्रान्त के अलावा बाकी जगह पर भी बने।

सुखदेव सिंह ने कहा कि पंजाब का प्रान्तीय सम्मेलन 8-9 जुलाई 2017 को है। मेहलासिंह ने कहा कि महिला सम्मेलन में सहयोग एवं भागीदारी से मानसा क्षेत्र में सक्रियता आई है। पब्लिक मिटिंग की परफोरमेन्स बढ़ी है। स्कूलों में मिटिंगे अच्छी हो रही हैं। लहरागागा में भी हम मिटिंगों का अभियान चलायेंगे।

घनश्याम ने कहा कि बजरी खनन, चारा भूमि सुरक्षा पर आन्दोलन फील्ड में तथा न्यायालय दोनों स्तरों पर लड़ा। राजसमंद में बनास के किनारे उद्गम स्थल तक बनास बचाओं पद यात्रा में जिला इकाई ने भाग लिया, सेमीनार, संगोष्ठियाँ तथा स्टडी सर्किल का आयोजन किया। बीकानेर में नियमित तौर पर बैठकें, सेमीनार व संगोष्ठियां हो रही हैं। अजमेर में स्कूलों में पर्यावरण पर लेक्चर तथा स्टेट कमेटी की बैठक की। जोधपुर में यूनिट मिटिंग एवं संगोष्ठियां का आयोजन नियमित हो रहा है।

दीदारसिंह ने बताया कि जम्मू-कश्मीर समस्या पर चार संगठनों (एन.एच.सी.पी.एम. हूर्रियत, बाबूसिंह ग्रुप तथा सरदार समर्थित) का साझा बनाया हैं सेमीनार में JK राजनीतिक मसला है, विवाद है इसे बातचीत से हल करने का एन.एच.सी.पी.एम. का विचार पेश करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग पर सैनिक कोलोनी में सेमीनार की। नड, बोर्डर एरिया में कृषि एवं किसान विषयों पर मिटिंग की हैं, रेसपोन्स ठीक है। महिलाओं की मिटिंगे की है। स्टूडेंट, वकील, इंजीनियर आदि की भागीदारी हुई हैं, नए सम्पर्क बने हैं। स्कूलों, कॉलेजां में साप्ताहिक मिटिंगे हो रही है। बी.जे.पी. के यूथ सदस्यों से अन्तरक्रिया हुई है।

सज्जनकुमार ने कहा कि मार्च के प्रथम सप्ताह, 2017 धारवाड़, हैदराबाद में सागरधारा, टी. विजयन्दा, सदर्शन राव, भुवनेश्वर में पाण्डा, प्रदीप पुरोहित आदि से सम्पर्क करके उनके सहयोग से मिटिंगे की है। 18-19 मार्च, 2017 को कोलकोता में मिटिंग की गई जिसमें विनायक सेन, प्रफुल्लसामन्त राय आदि वामधारा के 100 लोग थे। 21-22 मार्च, 2017 को कानपुर में मिटिंग तथा 23

मार्च को भगतसिंह दिवस पर सेमीनार की। दिल्ली में जे.एन.यू. में कन्हैया से मुलाकात की।

इस बैठक में अखिल भारतीय सम्मेलन के टाईम मैनेजमेन्ट पर विचार विमर्श हुआ। प्रान्तों से प्रतिनिधियों के भागीदारी का अनुमान लगाया गया। कुल 500 डेलीगेट सम्मिलित होने का अनुमान रहा। नेपाल, बांग्लादेश तथा श्रीलंका व अन्य सार्क देशों से भागीदारी का अनुमान भी लगाया गया।

जिन्द, हरियाणा में किसान सम्मेलन आयोजन में सहयोग का निर्णय हुआ। किसान समन्वय समिति के अलग-अलग ग्रुपों (धड़ों) के बारे में सुखदेव ने जानकारी दी। 31 मई, 2017 हिसार मिटिंग में मनीराम के भाग लेने का तय हुआ।

रोशन लाल अग्रवाल की मिटिंग में भाग नहीं लेने का फैसला किया गया क्योंकि वहां अन्य संगठनों को बात रखने का मौका नहीं दिया जाता।

29-31 मई, 2017 को आदिवासी एकता परिषद, पालघर मिटिंग में सज्जनकुमार तथा रूपचंद मखनोत्रा भाग लेंगे। 1 जून, 2017 को पूना मिटिंग में सज्जनकुमार भाग लेंगे तथा पटना, नेपाल के विराजनगर, सिन्दुली काठमाण्डू में सागरधारा के साथ ससटेनेबिलिटी एवं इक्वालिटी पर मिटिंगें करेंगे।

व्यक्तिगत सदस्यों की तथा इकाईयों की सामूहिक सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक समझ बढ़ने तथा संगठनात्मक योग्यता कैसे बढ़े, इस पर विचार विमर्श हुआ।

कमेटी की नौंवी बैठक 11-12 अगस्त, 2017 को उदयपुर में रखी गई। इसके साथ प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान की अ.भा.कमेटी की मिटिंग भी रखी।

इस विस्तृत बैठक का एजेण्डा ये था –

(1) रिपोर्टिंग (2) अखिल भारतीय सम्मेलन 5 से 8 अक्टूबर, 2017 की तैयारी (3) कृषि आन्दोलन पर काम तथा (4) डी एम आई सी (दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक गलियारा), ए.डी.के.आई.सी. (अमृतसर, दिल्ली कोलकोता औद्योगिक गलियारा) तथा अन्य गलियारों कुल 18 के प्रति हमारा रूख या भूमिका।

रिपोर्टिंग पर सज्जन कुमार ने कहा कि धारवाड़ मिटिंग में डोक्यूमेन्ट बैंग्लोर मिटिंग वाले पेश किए। पूना मिटिंग में एम.पी., गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र का पश्चिमी (वेस्टर्न) प्लेटफार्म बनाने हेतु एडहॉक कमेटी बनाई,

जिसकी अगली बैठक 28-29 अक्टूबर, 2017 को है। पटना में एन.ए.पी.एम. ने मिटिंग करवाई, अरहरिया की मिटिंग के बाद सागरधारा को वापिस जाना पड़ा। जे.एन.यू. के विद्यार्थी के साथ नेपाल गए।

नेपाल के विराटनगर, सिन्दूली, नारायणगढ़, काठमाण्डू की मिटिंगे हुई। 9 अगस्त, 2017 को तालेसरी (पालघर के पास) डी.एम.आई.सी. के खिलाफ 20 जन संगठनों द्वारा आम सभा की गई, जिसमें 50 हजार आदिवासी एवं किसानों ने भाग लिया। जोधपुर में संगोष्ठी में भाग लिया। 3 अन्य बैठकों में रूपचन्द मखनोत्रा एवं सज्जनकुमार ने भाग लिया।

एन.एच.सी.पी.एम. की प्रान्तीय कान्फ्रेंस 8-9 जुलाई, 2017 को नाभा, पंजाब में हुई। सुखदेवसिंह ने कहा कि धारवाड़ मिटिंग कोटा में हुई। राष्ट्रीय किसान क्रांति के नाम से आन्दोलन के एक धड़े ने 1 से 30 नवम्बर, 2017 का प्रोग्राम दे दिया। घनश्याम ने बताया कि आर.के. ने किसान मुद्दे पर सिरोही से उदयपुर में पद यात्रा में भाग लिया। यह पद यात्रा मंदसोर से जन्तर-मन्तर दिल्ली तक थी। उदयपुर में इस यात्रा के संभागियों को किसान मुद्दे पर 100 पर्चे बांटे गए। बलवान नेहरा ने बताया कि जिन्द में किसान संसद की कान्फ्रेंस में भारतीय किसान यूनियन प्रदेशाध्यक्ष गुरनामसिंह चण्ढूनी, खाप पंचायत के नेता सुरेश कोथ, कीट प्रबंधन पर काम करने वाली किसान महिलाएं जो डा. सुरेन्द्र दलाल के ग्रुप की थी, शामिल हुई। सभी ने एन.एच.सी.पी.एम. की कृषि नीति एवं दर्शन को माना। गिरधारीराम ने कहा कि जिन्द सम्मेलन में 30 प्रतिशत से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया।

संगठनात्मक एवं अन्य विषयों पर विपिनचन्द्र ने कहा कि अखिल भारतीय कमेटी ने क्या काम किया, इसके सदस्यों ने क्या काम किया, स्वयं कमेटी के काम तथा अन्य संगठनों द्वारा आयोजित प्रोग्रामों में भाग लिया वो काम, दस्तावेज क्या-क्या थे? प्रस्ताव क्या थे, लागू किया या नहीं। प्रान्तों और जिलों के बजाए सदस्यों ने व्यक्तिगत क्या काम किए। साझा मंच बनाया या नहीं। हिसाब सिर्फ एक लाईन का है, यह न हो। पर्चे का हिसाब, यात्राओं का हिसाब, डाक, इन्टरनेट का खर्च, पैसा कहां से आया, कहां खर्च हुआ, यह साफ होना चाहिए।

8-10 जून, 2015 स्वानखां के द्वितीय सम्मेलन के बाद हर साल सम्मेलन होना चाहिए, जैसा संविधान में दर्ज है। रिकार्ड संधारित्र होना चाहिए। रिपोर्ट

आशावादी होनी चाहिए। निर्णय लागू हुए या नहीं। यदि लागू नहीं हुए तो क्यों नहीं, क्या इससे संतुष्ट है या नहीं। कृषि अभियान के साथ एन.एच.सी.पी.एम. को जोड़ना चाहिए। अभियान के काम को अभियान के खाते में रिपोर्ट हो, हमने भाग लिया। केवल अखिल भारतीय एन.एच.सी.पी.एम. रिपोर्ट हो। साझी रिपोर्ट को साझी पेश करे। तालेसरी में जैसा रिपोर्ट हुआ, पार्टी वाले नहीं आने चाहिए, जैसी सोच छूआछूत वाली है।

घनश्याम – यात्रा में मुख्यतया 6–7 कमाने वाले सक्रिय सदस्य तथा बिना कमाने वाले 4–5 पूर्णकालिक सदस्य भाग लेते हैं। जितना खर्चा यात्रा में सम्मिलित सक्रिय सदस्य वहन करते हैं। पूर्णकालिक सदस्यों को खर्च जिला या स्थानय इकाई चंदे से करती है। खाने, ठहरने का प्रबंध आमतया मेजबान करता है।

पर्चे ज्यादातर जिला और प्रांतीय इकाइयां प्रकाशित करती है। पर्चे, डाक, इन्टरनेट आदि का खर्च भी जिला ओर स्थानीय इकाइयां, सदस्यों के सहयोग एवं चंदे से करतीहै।

पत्रिकाएं एवं संकलनों का सदस्योंके सहयोग तथा इनकी बिक्री से आए नकद राशि से होता है।

मन्नाराम – सभी साथियों को रिपोर्ट सर्कुलेट हो, हार्ड कॉपी तथा ई–मेल भी। प्रेमसिंह नामधारी – एक साल का अनुमानित प्रोग्राम तय हो कार्बन क्रेडिट की सागरधारा डोकूमेन्ट हिन्दी में प्रकाशित हो।

शकुन्तला सरूपरिया – जन आन्दोलनों में सांस्कृतिक फ्रंट अच्छा काम कर सकता है। महिलाओं, मानवतावादियों, तर्कसंगत लोगों को शामिल करना चाहिए, यह जरूरी नहीं की वो एन.एच.पी.सी.एम को पूरा माने।

सज्जनकुमार – इस दिशा में शोभा कराण्डे ने काम किया है। विलास सोणवने ने एन.एच.सी.पी.एम. विचारधारा पर स्टडी सर्किल का सुझाव दिया। रूपचन्द मखनोत्रा – विलास सोनवणे ने कहा कि हमने सांस्कृतिक राजनीति की है। एन.एच.सी.पी.एम. का एजेण्डा इन्टीग्रेटेड है।

दीदारसिंह – 6 जून, 2017 को पर्यावरण विषय पर साम्बा में मीटिंग की। फॉरैस्ट ऑफिसर को शामिल किया। एस.डी.एम. को प्रतिवेदन कृषि संकट पर, दिया। 29 जून को उधमपूर में एन.एच.सी.पी.एम. की मिटिंग की।

18 से 20 जुलाई 2017 तक कश्मीर के कुलगांव, श्रीनगर, शोपिया के सदस्यों को कॉरडिनेट करने की मिटिंगे की। 6 अगस्त को साम्बा में रैली की। 9 अगस्त को नागासाकी दिवस पर कटुआ में ग्लोबल वार्मिंग पर कार्यक्रम किए।

इस बैठक में आन्दोलन के टाईम टेबल, कौन वक्ता कितना समय ले, डेलीगेशन फीस क्यों नहीं हो, आदि पर विस्तृत चर्चा हुई। कृषि विषय पर भी चर्चा हुई। हाल ही में भारत भर में चल रहे किसान आंदोलनों उसकी शुरूआत से अब तक उनमें गुटबंदी होने, उनकी मांगों, आगे की संभावना आदि पर गहन एवं विस्तृत चर्चा हुई। डी.एम.आई.सी. पर सागर रेबारी गुजरात खेड़ूत समाज के तथा राजू पाण्ड्रा महाराष्ट्र से आए। इन्होंने औद्योगिक गलियारों के निर्माण इसके खिलाफ आन्दोलनों की स्थिति पर विचार रखें।

29 से 31 दिसम्बर, 2019 को लहरागागा, पंजाब में आयोजित प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के चौथे अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रस्तुत (अक्टूबर, 2017 से दिसम्बर, 2019 तक की) रिपोर्ट

1. इस कमेटी का गठन तीसरे अखिल भारतीय सम्मेलन में 5 से 8 अक्टूबर, 2017 को हुआ। अध्यक्ष मन्नाराम, उपाध्यक्ष रामप्रताप वर्मा, सचिव डॉ. अशोक भगत, कोषाध्यक्ष गुरलाभसिंह है। सदस्य सज्जनकुमार, रूपचन्द मखनोत्रा, प्रेमपाल, भारतकुमार, सुखदेवसिंह, गुरदर्शन खटड़ा, रघुवीरसिंह जमवाल, दीदारसिंह, देशराज, अमरनायक उर्फ राहुलसिंह, प्रेमसिंह नामधारी, मनजीत मान, मनीराम पूनिया, जोराराम, घनश्याम डेमोक्रेट, शत्रुघन डांगी, ज्योर्तिमोय गोस्वामी हैं।

2. अखिल भारतीय कमेटी ने तीसरे (5 से 8 अक्टूबर, 2017) एवं चौथे सम्मेलन (29 से 31 दिसम्बर, 2019) तक आठ बैठकें की। प्रथम बैठक तीसरे सम्मेलन स्थल लहरगागा, पंजाब में ही की जिसमें पदाधिकारयों का चुनाव किया गया। दूसरी बैठक शाहपुर उत्तरप्रदेश में 5-6 जनवरी, 2018 को की गई जिसमें तीसरे सम्मेलन में लिए गए फैसलों और दिशानिर्देशानुसार काम करने का तय किया गया।

तीसरी बैठक 24 से 26 अप्रेल, 2018 को साम्बा, जम्मू-कश्मीर में आयोजित की गई। इस बैठक का एजेण्डा ये था-

1. मूल्यांकन

(I) पिछली मिटिंग में लिए गए फैसलों और उनको लागू करने का मूल्यांकन।

(II) 24 से 26 फरवरी, 2018 को श्रीगंगानगर में प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान का अखिल भारतीय सम्मेलन का मूल्यांकन।

(III) दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक गलियारा (डी एम आई सी) विरोधी जन चेतना यात्रा का मूल्यांकन।

(IV) पंजाब में आयोजित स्टडी सर्किल का मूल्यांकन

(V) अन्य कार्य जो किसी प्रान्तीय इकाई या सदस्य द्वारा किए गए हों; का मूल्यांकन।

2. सैद्धान्तिक

(I) पर्यावरणीय तबाही एवं अमानीयकरण की तेज रफ्तार में विश्व कॉरपोरेट पूंजीवादी व्यवस्था को बदलने की आपात आवश्यकता अथवा इमरजेन्सी घोषित करने के सन्दर्भ में हमारा काम।

(II) भारत का वर्तमान परिदृश्य का विश्लेषण।

(III) नए व पुराने पर्चों पर विचार-विमर्श।

(IV) फांसी के मुद्दे पर राय।

(V) अन्य सैद्धान्तिक सवाल जो सदस्य चाहें।

3. संगठनात्मक

(I) लोगों में काम या किसी भी जन गतिविधि के दौरान नए सम्पर्कों की सैद्धान्तिक एवं व्यवाहारिक ज्ञान में बढोतरी करते हुए उन्हें एन.एच.सी.पी.एम. की नई इकाईयों में संगठित करने के बारे में।

(II) हमारे सभी साथियों को काम में लगाना।

(III) विभिन्न मित्र संगठनों के साथ संयुक्त कार्य योजना बनाना।

(IV) भारत में चल रहे जन आन्दोलनों से निकटता या एकता कायम करना।

(V) आमतौर पर भारत के सभी औद्योगिक गलियारों तथा खासकर डी एम आई सी एवं ए डी के आई सी पर काम या जन गतिविधि को संगठित करना।

4. कार्य योजना

(I) (क) प्राकृतिक सजीव (जैविक) कृषि नीति एवं सस्टेनेबल औद्योगिक नीति को व्यापक जन आन्दोलन में बदलना।

(क) देश स्तर पर

(ख) सार्क स्तर पर

(ग) विश्व स्तर पर

(ख) खेत मजदूरों में काम के बारे में

(II) डी.एम.आई.सी. विरोधी जन चेतना यात्रा के संदर्भ में आगे का कार्य।

(III) अजमेर से आगे डी एम आई सी विरोधी जन चेतना पर काम के बारे में।

(IV) 11 से 17 जून 2018, को शाहपुर, मुज्जफरनगर (उत्तर प्रदेश) में प्रकृति-मानव केन्द्रित कार्यक्रम पर युवाओं का सम्मेलन या स्टडी सर्किल लगाना।

(V) अन्य कोई भी कार्य जो सदस्य करना चाहते हों।

5. नेचर-ह्यूमन सेन्ट्रिक व्यूप्वाइंट का प्रकाशन

6. महिला सम्मेलन आयोजित करने के बारे में

7. अगली बैठक की तारीख व स्थान

8. अन्य बिन्दू जो सदस्य चाहे।

इस एजेण्डे के तहत किए गए कार्य एवं फैसलों का विवरण इस प्रकार है।

20 से 28 मार्च, 2018 को राजस्थान के दक्षिण पश्चिम हिस्से में डी एम आई सी विरोधी जन चेतना का आयोजन किया गया। जिसमें खेडूत समाज गुजरात, युवा भारत महाराष्ट्र तथा आदिवासी एकता परिषद ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

शुद्ध हवा के लिए 'राष्ट्र पिता से राष्ट्रपति तक' नामक जन चेतना अभियान सत्यप्रकाश भारत की पहल पर हर तीसरे माह के अंतिम रविवार के आयोजन में भाग लिया था।

24 से 26 फरवरी, 2018 को श्रीगंगानगर में प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान का सम्मेलन आयोजित किया गया उसकी समीक्षा की गई। फिल्लौर जालंधर में अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय परिस्थिति पर तथा कृषि पर दस्तावेजों के अध्ययन हेतु स्टडी सर्किल लगाया गया। अमृतसर, दिल्ली, कोलकाता औद्योगिक गलियारे पर प्रारंभिक मिटिंग व सर्वे किया गया।

17 अप्रेल, 2018 को नीति आयोग (NITI - National Institute for Transforming India) की मिटिंग में भाग लिया गया जिसमें MSP (MP Formula) यानि MSP व मार्केट के फर्क का भुगतान किसानों को सरकार

करे) सब्जी, फल, दूध को भी एम एस पी में शामिल करने, खेती में काम करने वालों को कुशल श्रमिक स्वीकार करना, किसानों के परिवार द्वारा किए गए श्रम का भी आकलन हो, जैसे मुद्दे चर्चा में रहे। कर्ज वसूली मूल राशि की डबल से ज्यादा न हो, फसल बीमा जबरदस्ती न हो।

जम्मू-कश्मीर खासकर जम्मू के साम्बा क्षेत्र में बोर्डर एरिया में भारत-पाक के बीच फायरिंग, अमन कैसे हो, के मुद्दों पर जीरो लाईन पर स्थित गांवों में गए लोगों से अन्तरक्रिया की।

11 से 17 जून, 2018 को शाहपुर (उत्तर प्रदेश) में स्टडी सर्कल के विषय व वक्ताओं आदि की योजना बनाई गई।

नेपाल व बांग्लादेश जाने पर विचार विमर्श हुआ। सदस्यों के लिए न्यूनतम काम तय किए। हरेक सदस्य माननीय आर पी एस के हिन्दी व अंग्रेजी के संकलन के सेट अपने पास रखे।

प्रत्येक सदस्य पर्चे बांटने का न्यूनतम काम करे।

क्या धरती पर जीवन बचेगा? आर्थिक गैर बराबरी, शुद्ध हवा, कृषि विषय पर पर्चे प्रकाशित किए गए। ये ही टांकिंग प्वाइंट बनाए गए।

मित्र संगठनों की लिस्ट जिला, प्रान्त व देश स्तर की बने।

बैठक में जन आन्दोलन किसे कहा जाए, पर बात हुई। एन एच सी पी एम की एप्रोच से वह आन्दोलन/गतिवधि जो पर्यावरण एवं मानव के हक में हो। पूंजी के प्रबंध को ही इधर-उधर करने वाले आन्दोलनों में हमारा रुख स्थायी पक्ष या स्थायी विरोध का न हो। वो परिस्थिति के मुताबकि हो। कई जन आन्दोलन जनता के एक हिस्से का जनता के दूसरे हिस्से के खिलाफ होता है, वहां हमें यह देखा जाना चाहिए कि न्यायिक बात क्या है।

पानी के मुद्दे पर कई जन आन्दोलन हो रहे हैं। पानी के उपयोग पर हमारे रुख के अनुसार प्राथमिकताएं ये हैं; प्रथम प्राथमिकता पीने के लिए, दूसरी प्राथमिकता कृषि की तथा अंतिम प्राथमिकता उद्योग की होनी चाहिए।

महिला सम्मेलन जम्मू-कश्मीर में करने का प्रस्तावित किया गया।

पर्यावरणीय पतन एवं अमानीयकरण पर स्लाइड शॉ बनाने का तय किया गया।

चौथी बैठक 4 से 6 अगस्त, 2018 को भूपाल पंजाब में हुई।

इस बैठक का एजेण्डा ये था–

1. रिपोर्टिंग

(I) पिछली मिटिंग एवं पहले के लिए गए फैसलों को लागू करने के बारे में

(II) 11 से 17 जून, 2018 को शाहपुर (उ.प्र.) में आयोजित 'धारणा–धारण शिविर' का मूल्यांकन

(III) डी.एम.आई.सी. व अन्य औद्योगिक गलियारों पर आगे किए गए काम की रिपोर्ट

(IV) प्रकृति–मानव हितैषी कृषि अभियान पर आगे काम की रिपोर्ट

(V) अन्य कार्य जो किसी प्रान्तीय इकाई या सदस्य द्वारा किए गए हों; उसकी रिपोर्ट।

2. सैद्धान्तिक

(I) कॉरपोरेट व्यवस्था आज की घातक चुनौतियों की जन्मदाता है। इसका हल यह व्यवस्था नहीं दे सकती है।

(II) मानव सहित समस्त जैव–जीवन के अस्तित्व को बचाने के लिए विश्व कॉरपोरेट पूंजीवादी व्यवस्था का पुनरगठन की आपात आवश्यकता पर विचार–विमर्श

(III) भारत चौराहा पर, अध्ययन

(IV) प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन द्वारा प्रकाशित किसी भी विषय पर कोई सवाल

(V) अन्य कोई भी सवाल जो सदस्य चाहे, पर विचार विमर्श

3. संगठनात्मक

(I) सदस्यता : (क) पुरानी सदस्यता की लिस्ट बनाने के बारे में

(ख) नई सदस्यता बनाने की योजना

(ग) नई व पुरानी सदस्यता को एन.एच.सी.पी.एम. की इकाइयों में संगठित करने व उनकी हर मिटिंग में निगरानी करने की जिम्मेवारी के बारे में

(II) सदस्यों को वक्ता बनाने की कार्य योजना तैयार करना

(क) स्टडी सर्किल आयोजित करने के बारे में

(ख) इलेक्ट्रोनिक मीडिया, स्लाईड शो, वीडियो फिल्म प्रदर्शन, पोस्टर प्रदर्शनी, आदि का उपयोग

(ग) प्रत्येक सदस्य को किसी भी जन संगठन का सदस्य बनकर काम करने के बारे में

(III) विभिन्न मित्र संगठनों की सूची बनाना एवं उनके साथ संयुक्त काम की योजना तैयार करना

(IV) भारत में चल रहे जन आन्दोलनों की जानकारी लेना व उनके साथ भागीदारी या एकता कायम करना

4. लोगों के स्तर पर काम

(I) प्रकृति–मानव हितैषी कृषि अभियान को आगे गति देना

(II) डी.एम.आई.सी.; ए.डी.के.आई.सी. पर काम की योजना बनाना

(III) विभिन्न मित्र संगठनों की सूची बनाना एवं उनके साथ संयुक्त काम की योजना तैयार करना

(IV) भारत में चल रहे जन आन्दोलनों की जानकारी लेना व उनके साथ भागीदारी या एकता कायम करना

(V) अन्य कोई भी कार्य जो सदस्य करना चाहते हों।

5. अन्य प्रान्तों में एन.एच.सी.पी.एम. की इकाइयां गठित करना व उनकी निगरानी की व्यवस्था करना।

6. सार्क स्तर पर आगे काम को बढ़ाने की योजना बनाना। अगली बैठक की तारीख व जगह तय करना ताकि 7 वां पीपल्स सार्क सम्मेलन का आयोजन किया जा सके।

7. विश्व स्तर पर एन.एच.सी.पी.एम. के काम के बारे में
8. प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के प्रकाशन के एवं वेबसाइट के बारे में
9. महिला सम्मेलन आयोजन के बारे में
10. (I) 9 अगस्त, 2018 भारत बंद का मुद्दा SC/ST विषय पर सुपीर्ट कोर्ट के संशोधन का फैसला 20 जुलाई, 2018
    (II) एन सी आर (National Caitizenship Register) एवं
    (III) धारा 35 ए पर चर्चा
11. अन्य बिन्दु जो सदस्य चाहे।

उपर्युक्त एजेण्डे पर विचार–विमर्श का विवरण इस प्रकार रहा–

11 से 17 जून, 2018 को शाहपुर में 'धारणा–धारण शिविर' पर विचार–विमर्श हुआ। डी एम आई सी पर आगे काम के लिए 15–16 सितम्बर, 2018 को मिटिंग करने का तय किया गया। पंजाब के अमृतसर से राजपुरा तक 1 से 8 अक्टूबर, 2018 तक ए डी के आई सी विरोधी यात्रा के आयोजन का फैसला लिया गया। सी ए सी पी (कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कोस्ट एण्ड प्राईस) के अध्यक्ष और तीन सदस्यों के साथ मिटिंग हुई। जिसमें कृषि को कुशल व्यवसायों में शामिल करने का विषय था। यह बैठक 10 जुलाई, 2018 को कृषि भवन नई दिल्ली में हुई। यूरिया, डी ए पी, पेस्ट आदि के विकल्प पर रघुवंशमणी पाण्डे कृषि विशेषज्ञ का विकल्प को काम में लेने पर चर्चा की। सिक्किम में प्राकृतिक खेती को सपोर्ट नहीं होने के कारण अधरक 3–4 दिन बाद सड़ गई। सागरधारा, रघुवंश पाण्डे, सज्जन कुमार, सुखदेव व रूपचंद की एक टीम 24–25 मई, 2018 को नेपाल गई। नेपाल के नारायणगढ़ में कृषि विश्वविद्यालय में प्रकृति–मानव हितैषी कृषि अभियान की कमेटी का गठन किया गया। जम्मू क्षेत्र में 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जिला कलेक्टर तथा विद्यार्थियों को शामिल किया। 24 जून, 2018 को आर पी सराफ की वार्षिक श्रद्धांजलि सभा साम्बा में की गई जिसमें राजस्थान व पंजाब से 4–4 साथियों ने भाग लिया। 8 जुलाई, 2018 को कठुआ में स्टडी सर्किल चलाया गया। रजौरी क्षेत्र में स्कूलों, डिग्री कॉलेजों, डाईट आदि संस्थानों में एन एच सी पी एम के

विषय पर मिटिंग की। कर्णाटक के सुमन्त ग्रामले ने रिपोर्ट किया कि किसान एम एस पी की मांग कर रहे हैं। कर्णाटक में दो स्टेट उत्तरी व दक्षिणी कर्णाटक की मांग भी उठ रही है।

'भारत चौराहा पर' नामक दस्तावेज का अध्ययन किया गया।

27–28 दिसम्बर, 2018 को साम्बा में महिला सम्मेलन आयोजित करने को प्रस्तावित किया जिसमें सगुणा संगठन, युवा भारत तथा एन एच सी पी एम की महिला साथियों से फाइनल फैसला लेने के लिए सुझाव देना शामिल था।

350.org, Al Gour, Future Earth, Earth league, Earth leaf caneda, Allience of Scientist नामक संगठनों से Interaction by email, net से करने का तय किया। website user friendly बनाने का तय किया गया। पंजाबी की वेबसाइट शुरू करने का फैसला लिया गया। अ. भा. सम्मेलन दिसम्बर, 2019 तक कर लेने का फैसला लिया गया। प्रकृति–मानव हितैषी कृषि अभियान का सम्मेलन फरवरी, 2019 में करने के लिए इसकी अखिल भारतीय कमेटी की मिटिंग बुलाने के लिए कहना।

प्रकृति–मानव केन्द्रित जन आन्दोलन की पांचवीं बैठक, 2 से 4 नवम्बर, 2018 को हिसार (हरियाणा) में आयोजित की गई उसका एजेण्डा ये था–(1) पिछली मीटिंगों में लिए गए फैसलों का मूल्यांकन (2) रिपोर्टिंग (3) महिला सम्मेलन 27–28 दिसम्बर साम्बा के बारे में (4) किसान आन्दोलन में आगे काम के बारे में (5) औद्योगिक गलियारों के विषय पर (6) लोगों में काम (7) चौथे अ.भा. सम्मेलन के बारे में (8) सार्क सम्मेलन के बारे में (9) विश्व स्तर पर एन एच सी पी एम के काम के बारे में (10) सदस्यता बढ़ाने (11) सदस्यता की गुणवत्ता बढ़ाने के बारे में (12) नई प्रान्तीय इकाइयों के गठन के बारे में (13) पर्यावरणीय व मानवीय विषयों पर काम करने वाले अन्य संगठनों से अन्तरक्रिया के बारे में (14) प्रकाशन वेबसाइट आदि के बारे में (15) अन्य विषय जो सदस्य प्रस्तावित करे।

उपर्युक्त एजेण्डे की रिपोर्टिंग में कहा गया कि पंजाब में 1 से 8 अक्टूबर, 2018 को अमृतसर से राजपुरा तक अमृतसर–दिल्ली कोलकाता औद्योगिक गलियारा ए डी के आई सी के विरोध में जन चेतना यात्रा निकाली गई, 40 लोग पूरा समय देने वाले थे। इस यात्रा में औद्योगिक गलियारा क्या है? क्या धरती

पर जीवन बचेगा ? दुनिया के प्राकृतिक व मानवीय साधन 1 प्रतिशत लोगों के ही क्यों काम आ रहे हैं ? किसानों व कृषि संबंधित विषयों के पर्चे पंजाबी व कुछ हिन्दी में बांटे गए, उस पर मीटिंगें हुई। पर्चों की संख्या 85 हजार थी।

राजस्थान के उदयपुर में 15-16 सितम्बर, 2018 को औद्योगिक गलियारा विरोधी जन चेतना अभियान, भारत, एन एच सी पी एम राजस्थान तथा प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान की संयुक्त बैठक बुलाई गई जिसमें इनसे संबंधित मुद्दों पर आगे काम पर विचार-विमर्श हुआ। मेवल क्षेत्र पर्यावरण एवं मानव विकास मंच के तहत जयसमंद झील के केचमेन्ट एरिया के 400 गांवों में काम किया। चुनाव के पर्चे पर स्टडी सर्किल चलाए। बामसेफ के कार्यक्रम एवं महिला हिंसा विरोधी यात्रा में भागीदारी की।

जम्मू-कश्मीर के रजौरी जिले में धारा 370 व 35 ए पर 29 सितम्बर, 2018 को मीटिंग की एवं शांति मार्च किया।

जम्मू-साम्बा जिलों के बार्डर के गांवों में गए जहां से महिला कान्फ्रेंस पर अन्तरक्रिया हुई। किसान नेता द्वारका शर्मा के नेचुरल फार्मिंग के प्रयोग की जरूरत पर किसानों में चर्चा की। हरियाणा के राजेन्द्र शर्मा ने नेचुरल फार्मिंग की जरूरत, उपयोगिता तथा इसके जन हितैषी व किसान हित में बताया। राजस्थान में संगोष्ठियां, नियमित बैठकों में वैचारिक विचार-विमर्श हुआ। डी एम आई सी पर आगे काम करने का मीटिंग में प्रस्ताव आया।

बिहार के शत्रुघन डांगी ने बालू मिट्टी पर रोक लगाने से उत्पन्न समस्या पर, बिहार में शराब बंदी के कार्यक्रम, बाल विवाह, तिलक-दहेज विरोधी गतिविधियों में भाग लिया।

जम्मू-कश्मीर में ग्लोबल पीस व युद्ध पर पर्चा छपवाया, उस पर लोगों में मीटिंग की।

सज्जन कुमार ने सागरधारा से मिलकर 'वर्ल्ड पीस, सस्टेनबिलिटी और इक्यूटी प्लेटफार्म पर काम के लिए पालघर में मीटिंग की।

राजस्थान में 21-22 फरवरी, 2019 को स्टेट कांफ्रेंस व कृषि अभियान की अ.भा. कमेटी की मीटिंग करना। औद्योगिक गलियारों पर काम पंजाब में कृषि विषय को जोड़कर करना।

24-25 नवम्बर, 2018 को नाथद्वारा में राजस्थान स्टेट कमेटी एन एच सी

पी एम की मीटिंग करना।

एन एच सी पी एम का अ.भा. सम्मेलन लहरगागा या श्रीगंगानगर में से कहीं एक जगह सितम्बर, 2019 में आयोजित करना।

पाकिस्तान जाने के लिए वीजा की कोशिश करना।

15 हजार वैज्ञानिकों की चेतावनी वाले दस्तावेज पर वैज्ञानिकों को कमेन्ट भेजा। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका के दस्तावेज 'Marxism is still real' पर टिप्पणी की केनेडियन लेडी की बुक 'Leap' disaster of Capitalism' पर कमेन्ट किया। 'पेड़ लगाओ', 'सफाई अभियान', 'से नॉ टू प्लास्टिक', 'नो स्मॉकिंग', 'से नो ड्रग्स' आदि नारों के जन विरोधी होने तथा इनसे संबंधित कम्पनियों के हक में होने पर चर्चा की। इनका व्यापार 1990 के बाद तीन गुना हो गया।

हरेक मेम्बर सेट रखने, औद्योगिक गलियारे के पंजाबी पर्चे का हिन्दी छपवाना, सरल साहित्य छपवाने, पानी पर डोकुमेन्ट लिखने तथा पर्चों की पत्रिका छपवाने के फैसले लिए गये।

छठी बैठक 1 से 3 फरवरी, 2019, जोधपुर राजस्थान में आयोजित हुई। इसके एजेण्डे के बिन्दु ये थे (1) पिछली मीटिंग के फैसलों का मूल्यांकन (2) रिपोर्टिंग (3) अ.भा. सम्मेलन एन एच सी पी एम (4) सार्क सम्मेलन (5) कृषि सम्मेलन (6) महिला विषय पर आगे काम (7) युवा मोर्चा पर काम (8) औद्योगिक गलियारों पर काम (9) संगठनात्मक विस्तार के बारे में (प्रान्तीय व जिला इकाइयों के गठन) (10) पब्लिकेशन, वेब साईट, स्लाईड शॉ आदि (11) सैद्धान्तिक सवालों (i) जन उम्मीदवार पर एन एच सी पी एम की धारणा। (ii) प्रोग्राम संविधान में राजनीति का भाग पर अध्ययन (iii) एन एच सी पी एम का शॉर्ट टर्म एजेण्डा (iv) मेंबरशिप पर विचार-विमर्श।

उपर्युक्त एजेण्डे के तहत किया गया विचार-विमर्श एवं रिपोर्ट इस प्रकार है—

कृषि अभियान की कमेटी की मीटिंग फरवरी के बजाए 9-10 मार्च, 2019 को बीकानेर में आयोजित करना तय किया गया।

बांग्लादेश यात्रा 21 से 31 जनवरी, 2019 की रिपोर्ट पेश की गई।

सज्जन कुमार ने 12-13 जनवरी, 2019 को हैदराबाद में क्लाइमेट इमरजेन्सी

विषय पर मीटिंग में भाग लिया।

15 जनवरी, 2019 को पाईकमाल (उड़िसा) में गंधमार्धन सुरक्षा समिति की मीटिंग में भाग लिया एवं डिग्री कालेज में एन एच सी पी एम के एजेण्डे पर मीटिंग हुई। बरगढ 22 जनवरी, 2019 झारसूगुडा में मीटिंगें की। 23 जनवरी, 2019 को तरूण बनर्जी ने 60-70 लोगों की मीटिंग कोलकाता में की।

24-25 जनवरी, 2019 को गया (बिहार) के स्कूल में तथा विद्या भारती संस्थान में मीटिंग की।

27 से 30 जनवरी, 2019 को उत्तर प्रदेश के युसुफपुर, गाजीपुर आदि तहसील मुख्यालयों पर मीटिंगें की जिसमें एन एच सी पी एम की चर्चा की।

पंजाब में 9 जनवरी, 2019 को पब्लिक पॉलिसी रिसर्च सेन्टर (पासा पटेल) द्वारा प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना, एम एस पी, स्किल्ड श्रम, डबल इनकम, आदि किसानों से संबंधित विषयों पर तथा दिल्ली में Agriculture Stack Holder Conference में भाग लिया।

पंजाब के ठीकरीवाला गांव में 18 से 20 जनवरी, 2019 को तीन दिवसीय समारोह होता है। पहले दिन धार्मिक कार्यक्रम, दूसरा दिन सरकारी तथा तीसरा दिन सरकार विरोधी विषयों पर होता है। इसमें एन एच सी पी एम के साथियों ने भाग लिया।

पंजाब में 1 लाख 10 हजार पर्चे पंजाबी के 'क्या धरती पर जीवन बचेगा' 20 हजार औद्योगिक गलियारे के तथा 20 हजार पर्चे 'अमीरी-गरीबी की खाई' विषय के पर्चे बांटे गए।

मानसा में मोबाइल टॉवर के खिलाफ आन्दोलन करके दो टॉवर लगने नहीं दिए गए।

राजस्थान के साथियों ने 13 से 15 फरवरी, 2019 को जी पी एफ तथा जंतर-मंतर पर कृषि व किसान विषय पर कार्यक्रम में भाग लिया तथा महिला सम्मेलन तथा स्थानीय नियमित बैठकों में भाग लेने का कार्य किया।

पर्यावरण का कृषि पर प्रभाव पर पर्चा लिखना।

23 से 25 मार्च, 2019 को नेपाल एन एच सी एम सम्मेलन में भाग लेना।

सार्क कमेटी की मीटिंग अगस्त, सितम्बर 2019 तक करना।

जून, 2019 में कृषि सम्मेलन करना।

एन एच सी पी एम ऑल इंडिया सम्मेलन दिसम्बर, 2019 तक जोधपुर/बीकानेर/जम्मू-कश्मीर में से कहीं एक जगह करना।

महिला स्टडी सर्किल लगाकर महिला संगठन/सम्मेलन आयोजित करने की कोशिश करना।

यूथ व बेरोजगारी विषय पर काम करना।

औद्योगिक गलियारा विरोधी जन चेतना यात्रा का फोलोअप करना। इसके लिए 26 से 28 फरवरी, 2019 तय की गई।

अखिल भारतीय कमेटी की सांतवी बैठक 7 से 9 जून, 2019 को उदयपुर में हुई। इसके एजेण्डे के बिन्दू ये थे-

(1) रिपोर्टिंग (क) सामुहिक (ख) व्यक्तिगत

(2) (क) पिछली मिटिगों में लिए गए फैसलों को लागू करने के बार में

(ख) वो फैसले जिन्हें लागू नहीं किया गया या मामूली से लागू हुए।

(3) देश एवं दुनिया की वर्तमान हालात के बारे में

(4) श्रीमान आर.पी.सराफ के लेखों का संकलन भाग-I के पेज 119 से 128 एवं पेज 399 से 400 तक का अध्ययन तथा एक साथी सी आर देपन द्वारा लिखित दस्तावेजों का अध्ययन।

(5) जम्मू-कश्मीर प्राप्त के वर्तमान हालात पर विचार-विमर्श।

(6) पत्रिका के नियमित प्रकाशन एंव संकलन के प्रकाशन के बारे में

(7) अगले चौथे अखिल भारतीय सम्मेलन के बारे में

(8) सार्क कान्फ्रेंस आयोजिक करने के बारे में

(9) प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान के बारे में

(10) यूथ एवं महिला विषय पर संगठनात्मक काम करने के बारे में।

(11) साऊथ एशिया पीपल्स एक्शन फॉर क्लाईमेट क्राईसेज (SAPACC) के हैदराबाद सम्मेलन में भागीदारी के बारे में।

(12) आगे के काम की योजना (क) एन.एच.सी.पी.एम. के संगठन तथा (ख) जन संगठन बनाने के बारे में (13) अन्य विषय जो सदस्य चाहे।

इस बैठक में नेपाल के साथी डॉ. डी.बी.सिंह को श्रृद्धाजंलि दी गई।

जिनका देहान्त 28 अप्रैल, 2019 को नारायणगढ़, नेपाल में हो गया था।

सांतवी बैठक के एजेण्डे पर विचार-विमर्श के दरम्यान निम्नलिखित बिन्दू उभरे- सागरधारा एवं सौम्यदत्ता के सहसंयोजन तथा सुदर्शन राव के संयोजन में सितम्बर, 21 से 23, 2019 को हैदराबाद में SAPACC सम्मेलन के बारे में जानकारी दी गई तथा उसमें भागीदारी तय की गई। सुखदेवसिंह ने रिपोर्ट किया कि 13-14 फरवरी, 2019 को दिल्ली में किसान समन्वय समिति की बैठक हुई तथा 15 फरवरी, 2019 को जन्तर-मन्तर पर धरणा दिया गया।

ग्रेटर नोएडा में एक्सप्रेस-वे विरोधी आन्दोलन में सक्रिय रहे कार्यकर्ता सुनिल फौजी पर सरकार और बिल्डरों ने झूठा केश कर दिया। उससे जेल में मिलने गए तथा झूठे मुकदमे से उसे बरी कराया।

जैतो (फरीदकोट) में गैर कानूनी तौर पर बी.टी. बैगन की बुवाई करवाई जा रही है। 10-11 मार्च, 2019 को बीकानेर में प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान, 14-15 मार्च, 2019 को बरनाला में तरसेम चंद की बरसी में भाग लिया एवं आयोजन किया। 20 से 29 मार्च, 2019 को 6 सदस्यों की टीम ने नेपाल में एन.एच.सी.पी.एम के कार्यक्रमों में भाग लिया। 6-7 मार्च, 2019 को पंजाब की प्रान्तीय कमेटी (एन.एच.सी.पी.एम.) में सही व गलत में भेद तथा आर पी सराफ द्वारा लिखित लोकतंत्र विषय वाला लेख पढ़े गए। 5 मई 2019 को सागरधारा का सेमीनार मानसा में करवाया गया। सेमीनार में करीब 150 लोगों ने भाग लिया। सेमीनार के निमंत्रण-पत्र में ''अमानवीयकरण के कारण पर्यावरण में गिरावट हो रही है'' के बिन्दु को उभारा था। 6 मई, 2019 को जालन्धर में एक साथी के बेटे के भोग में शामिल हुए। 24-25 मई, 2019 को एन एच सी पी एम नेपाल कमेटी की बैठक में तीन सदस्यों ने भाग लिया।

3 जून, 2019 को गुरदासपुर जिले में यूथ के राष्ट्रीय स्तर के केम्प में सुखदेव सिंह का लेक्चर रखा। प्री नरसरी से एम ए तक का कॉलेज है वहां अलग मॉडल है। छात्र खाना खुद बनाते है। खाते खिलाते हैं तथा सीनियर जुनियर को पढ़ाते हैं। 300 लड़कियां भी हैं।

5 जून, 2019 को बरनाला में पर्यावरण दिवस पर लेक्चर किया। राजसमंद, राजस्थान के सोहनलाल ने बताया कि वो पर्चे वितरण का काम करते हैं। 100 अध्यापकों के केम्प में एनएचसीपीएम का एजेण्डा ले गए जो 4 मई, 2019 को

कपासन में हुआ। 5 जून, 2019 को पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी की।

मनीराम राजस्थान ने कहा कि 27-28 फरवरी, 2019 को सांवतसर (श्रीगंगानगर) में स्टेट कान्फ्रेंस रखी लेकिन पुन: कान्फ्रेंस करने का फैसला हुआ। जिले में कुछ लोग नए जुड़े है जो स्थानीय कार्यक्रमों में आते हैं। 23-24 मार्च, 2019 को शाहपुर, उत्तरप्रदेश के प्रोग्राम में भाग लिया। 4 मई, 2019 को सूरतगढ़ में सागरधारा का प्रोग्राम किया गया जिसमें 20-25 लोग आए थे। 17-18 मई, 2019 को सांवतसर (श्रीगंगानगर) में मिटिंग रखी जिसमें सज्जनकुमार ने भाग लिया। 19 मई, 2019 को श्रीगंगानगर तथा 20 मई को मुकलावा के पास बुढ़ा जोड़ गुरुद्वारा में मेडीकल हास्पीटल में तथा विश्नोई धर्मशाला में मिटिंग की। 21 मई को बीरवाणा कस्बे में मिटिंग की। इन मिटिंगों का एजेण्डा एन एच सी पी एम का मॉडल था तथा पर्चे बांटे गए। 25-26 मई, 2019 को स्टेट कमेटी, राजस्थान की मिटिंग अजमेर में की गई। यूथ एवं महिला विषयों पर भी मिटिंगे की। 5 जून को पर्यावरण दिवस पर मुकलावा श्रीगंगानगर जिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जम्मू से रघुवीरसिंह ने बताया कि 5 जून को पर्चे बांटे गए तथा 2-3 मिटिंगे की। गुरदर्शन खटड़ा ने बताया कि पंजाब के नाभा एवं पटियाला जिले में आइ डी पी और एन एच सी पी एम की वैचारिक उलझन चल रही है। हर महीने के पहले रविवार को मिटिंग करते हैं। जम्मू से प्रेमपाल ने बताया कि प्रोग्राम संविधान पर स्टडी सर्किल लगाया तथा सही और गलत में भेद वाला दस्तावेज पढ़ा है।

सज्जन कुमार ने बताया कि मैं नेपाल टीम के साथ रहा। जीवन-विद्या संस्था के साथ मिटिंग की। हर तीसरे माह के पहले रविवार को सुबह 11 से 1 बजे तक दिल्ली को शुद्ध हवा की मांग के लिए राष्ट्रपिता से राष्ट्रपति तक अभियान में भाग लिया। इण्डियन साइन्स इन्सीट्यूट आई एस आई दिल्ली में नागराज, सागरधारा आदि के साथ 60-70 लोगों की मिटिंग में भाग लिया। 29 अप्रेल, 2019 को जे एन यू दिल्ली एवं दिल्ली श्रमिक संघ के 200-250 लोगों की मिटिंग की। 2 मई, 2019 को जोधपुर में ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण विषय पर सागरधारा के साथ मिटिंग में भाग लिया। 5 मई, 2019 को आई आई टी दिल्ली में सागरधारा के साथ मिटिंग की। 27-28 मई को नागपुर में कम्युनिष्ट

साथियों और श्रीगंगानगर में एन एच सी पी एम के साथियों के साथ मिटिंगे की। सज्जन कुमार एवं सौम्यदत्ता का भास्कर ने इन्टरव्यू लिया जिसे दैनिक भास्कर ने प्रकाशित किया। नाथद्वारा से मोहन जोशी ने कहा कि बनास नदी के मुद्दे को एन जी टी में ले जाना चाहिए या नहीं। बनास बचाओ अभियान चला रहे हैं। पेड़ लगाने, प्लास्टिक हटाने का कार्य में लोगों को शामिल किया। चुनाव पर पर्चे बांटे। लोगों ने पूछा किसे वोट दे। मैंने नोटा का विकल्प पेश किया।

रामप्रताप ने रिपोर्ट किया कि 8-9 फरवरी, 2019 को बीकानेर में जिला सम्मेलन किया। बीकानेर में हर रविवार को 2 घण्टे मिटिंग होती है। 21-22 फरवरी, 2019 को सांवतसर में आयोजित राजस्थान के राज्य सम्मेलन में भाग लिया। 25-26 मई, 2019 को अजमेर में राजस्थान की प्रान्तीय कमेटी की मिटिंग की। सागरधारा की मिटिंग में भाग लिया। पर्चे वितरीत किए बिजनौर भी गए।

एस. एन. नागल ने कहा कि मैंने बीकानेर जिला सम्मेलन एवं कृषि अभियान की मिटिंगों में भाग लिया। जयपुर में एन एच सी पी एम की इकाई के गठन की कोशिश कर रहा हूं, अभी सफलता नहीं मिली है।

मन्नाराम ने मिटिंग में बताया कि प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान, इण्डस्ट्रीयल कॉरीडोर विरोधी नेटवर्क भी बना है। उदयपुर में एन एच सी पी एम के 200 सदस्य एवं सम्पर्क है जिन्हें पर्चे और पत्रिका देते हैं। साल में दो बार सभी की मिटिंग करते हैं। उदयपुर शहर में 40 सदस्य है। उनकी मिटिंग करते हैं पर्चे डोकूमेन्ट पढ़ते हैं। समता संदेश द्वारा आयोजित संगोष्ठी में जाते हैं। बजरी खनन के खिलाफ पर्यावरण-मानव विकास मंच बनाया है। बजरी खनन 400 गांवों को प्रभावित करता है। हाई कोर्ट एवं एन जी टी में केश लगाया साल में 4-5 मिटिंगे करते हैं। सुप्रीम कोर्ट से खनन पर रोक लगवाने का फैसला करवाया। एन एच सी पी एम के एजेण्डे पर वहां की स्थानीय समस्याओं को जोड़ते हुए प्रयोग कर रहे हैं। मौत, प्रसादी के सार्वजनिक प्रोग्रोमों में पर्चे बांटते हैं। विधानसभा चुनाव में पर्चे बांटे। खनन पर रोक के पर्चे बांटे चुनावों में खनन रूका, कहीं कम हुआ लेकिन चुनावों के बाद बजरी खनन तेज हो गया। सुप्रीम कोर्ट से किसानों को जमीन, पानी खेत खराब होने पर 38 करोड़ का मुआवजा का फैसला करवाया। 200 करोड़ की वसूली उदयपुर कलक्टर पर लम्बित पड़ी

है। अब गांव वालों पर एफ आई आर की गई है कि गांव वालों ने कारखानों के खिलाफ झूठे मुकदमे किए गए। खनन विभाग ने उस जगह के पट्टे खनन के लिए जारी कर दिये जहां गांव वालों के पशु खड़े रहते हैं। 24 जनवरी, 2019 को 2000 लोगों ने जिला कलक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

5 जून, 2019 को पर्यावरण दिवस तथा महाराणा प्रताप विषय पर आयोजित कार्यक्रम में पर्चे बांटे। पर्चे पर्यावरण, अमीरी-गरीबी की खाई, इण्डस्ट्रीयल कॉरीडोर के खिलाफ होते हैं। इन पर मिटिंगे भी करते है। मिटिंगों में कांग्रेस, बीजेपी, कम्युनिष्ट सभी धारा के लोग आते हैं, विरोध नहीं करते है।

डॉक्टर अशोक ने कहा कि स्वास्थ्य एवं घरेलु कारणों से कुछ खास नहीं कर पाया, दो महिने और लग सकते है।

जयपुर से तेजपाल ने कहा कि दो प्रमुख साथी इन्द्रसिंह एवं बृजबाला के निधन से जयपुर इकाई भंग हो गई नई बनाने की कोशिश में हूं। प्रान्तीय राष्ट्रीय स्तर की मिटिंगों में भाग लेता हूं।

मनजीत मान ने कहा में अंग्रेजी के वोल्यूम सात का टाईप किया तथा छह छपवाने का काम किया। आठवां भी टाईप कर दिया है। 24-25 मई, 2019 को नेपाल टीम में शामिल था।

दीदारसिंह ने बैठक में रिपोर्ट किया कि वे 19 जनवरी से 29 जनवरी, 2019 तक बांग्लादेश के ढाका शहर में पुराने एवं नए सार्क सदस्यों एवं सम्पर्कों के साथ मिटिंगे की। उधमपुर में मिटिंगे की, स्टडी सर्किल लगाने एवं बड़ी मिटिंगे करने के हालात बने है। डोडा एवं रियासी से रेडियो टाक की। रेडियो टाक के बाद महोर, साम्बा आदि से नए लोगों के टेलीफोन आए। इण्डस्ट्रीय वेस्ट डम्प करने के प्रशासन के फैसले से नागरिकों को नुकसान हो रहा था, उसके खिलाफ आन्दोलन किया। नाला में से सेन्ड उठाने के खिलाफ भी आन्दोलन किया।

क्लाईमेट जस्टीस पर जागरूकता के लिए नड (साम्बा) में प्रोग्राम किए तथा 24 मई, 2019 को जुलूस निकाला। विजयपुर, विशनार, जम्मू के स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों को शामिल करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के लिए हाथों में तख्तिया लिए जुलूस निकाले गए। 4 जून को साम्बा में बैठक करके 24 जून को श्रीमान आर पी सराफ को श्रद्धाजंलि सभा में विश्व शांति तथा

कॉरपोरेट व्यवस्था का विकल्प आर पी सराफ द्वारा प्रस्तुत प्रकृति-मानव केन्द्रित विकास मॉडल का एजेण्डा था। 5 जून को पर्यावरण दिवस पर प्रोग्राम किया। एन ए सी के चेयरमेन से बात की।

रूपचन्द मखनोत्रा ने कहा कि दीदारसिंह द्वारा पेश किए गए सभी कार्यक्रमों में भाग लिया। 5000 पर्चे बांटे वो खत्म हो गए। गांधीनगर के वीमन डिग्री कॉलेज में भी मिटिंग की।

जोधपुर से इन्दाराम एवं सांवलाराम ने कहा कि नौकरी में रहते हुए हम कालेज टाईम से ही एन एच सी पी एम ग्रुप से जुड़े है अब रिटायर्ड हो गए है ज्यादा सक्रियता से भाग लेंगे।

घनश्याम ने कहा कि 19 से 29 जनवरी, 2019 को दो सदस्य की टीम बांग्लादेश गई। प्रकृति-मानव केन्द्रित जनआन्दोलन के सार्क स्तरीय गतिविधि प्रकृति-मानव केन्द्रित समाज व्यवस्था के मॉडल तथा पर्यावरणीय बिगाड़ एवं अमानवीयकरण की जनक कॉरपोरेट व्यवस्था, बांग्लादेश की पर्यावरणीय स्थिति में सागरधारा के तथ्यों तथा सागरधारा के वैज्ञानिक साथियों के साथ अन्तरक्रिया की। 10-15 से 40-50 लोगों की मीटिंग हमेशा कम से कम दो तथा कभी कभी तीन मिटिंगे हुई। पुराने सदस्यों में देरी से सम्पर्क करने की नाराजगी भी थी। कुल मिलाकर बांग्लादेश यात्रा भारी सकारात्मक रही। वापिस आते वक्त पं.बंगाल में नए साथियों से सम्पर्क किया। प्रकृति-मानव केन्द्रित मानव समाज के मॉडल को बांग्ला भाषा में अनूदित दस्तावेज वितरित किया। 21 से 26 मार्च, 2019 को बीकानेर, शाहपुर, मुज्जफरनगर मेरठ, साहरणपुर में मिटिंगे तथा नए-पुराने साथियों से सम्पर्क किया। 11 से 19 अप्रेल, 2019 को सागरधारा के साथ कई संयुक्त मिटिंगे की। 11 अप्रेल को पूना, 13 अप्रेल को हुबली, 14 अप्रेल को धारवाड़, 15 अप्रेल को बेलगांव, 16 अप्रेल को गोवा के चीकालिम, मौडपसा, पनजी में मिटिंगे तथा सम्पर्क किए। 17 अप्रेल को उद्दपी, 18 अप्रैल को पूना तथा इन मिटिंगों में क्लाईमेट इमरजेन्सी तथा सगुना संगठन में महिला विषयों पर अन्तरक्रिया के साथ एन एच सी पी एम का दस्तावेज जिसका शीर्षक था ''सभी बुराईयों की जड़ वर्तमान कॉरपोरेट व्यवस्था'' तथा पेरिस दस्तावेज की पत्रिका बेची तथा वितरित की। सागरधारा के साथ अन्तरक्रिया में ऊर्जा केन्द्रित अवधारणा में समाजशास्त्रीय विषय जोड़ने

पर बात हुई।

2 मई 2019 को जोधपुर में सागरधारा की मिटिंग आयोजित की। 3-4 मई, 2019 को राजसमंद जिले के कपासन में 200 अध्यापकों की सेमीनार में पर्यावरण पर व्याख्यान किया। 19 से 29 मई, 2019 को नेपाल यात्रा का समय था जिसमें 24-25 मई, 2019 को आल नेपाल एन.एच.सी.पी.एम. की दो दिवसीय बैठक में पर्यवेक्षक के तौर पर भाग लिया।

सातवीं बैठक के एजेण्डे के बिन्दु (2) पिछले फैसलों को लागू करने के बारे में या उन फैसलों के बारे में जिन्हें लागू नहीं किया गया अथवा कम लागू किए गए। पिछली बैठकों में लिए गए फैसले ये थे- डी एम आई सी पर आगे काम। सदस्यता लिस्ट जिला स्तर पर तैयार करना। नई प्रान्तीय एवं जिला इकाईयों का गठन करना। सदस्यों को वक्ता बनाने का अर्थ यह है कि किसी भी सवाल का जवाब एन एच सी पी एम के दृष्टिकोण से देना तथा सही व गलत में इसी दृष्टिकोण से भेद करने की योग्यता बढ़ाना है। सार्क सम्मेलन आयोजित करना। अखिल भारतीय कान्फ्रेंस करना। युवा एवं महिला फ्रंट पर आगे काम करना। विश्व स्तर पर आगे काम का विस्तार। वेबसाईट को यूजर फ्रेंडली बनाना। पत्रिका प्रकाशन करना। अंग्रेजी, हिन्दी संकलन प्रकाशित करना आदि थे। इन बिन्दुओं पर विचार-विमर्श में निम्न बिन्दु उभरे-

संगठनात्मक काम में कमी रही है (मनीराम) पंजाब में स्टेट कमेटी की हर दो माह में मिटिंग होती है। प्रत्येक सदस्य को काम दिया गया है। कम से कम काम पर्चे बांटने का। लुधियाना की इण्डस्ट्री का गंदा पानी नदियों में डालने के खिलाफ आन्दोलन किया। 30 प्रतिशत गंदगी नदी अपने-आप साफ करती है। जो Organic हो ऐसा जल प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड कहता है। लेकिन नदियों में केमीकल भी डाल दिया जाता है। ट्राइडेन्ट फैक्ट्री भूजल का भी भारी उपयोग करती है तथा हवा भी गंदी करती है। (सुखदेवसिंह) इण्डस्ट्रीयल कॉरीडोर पर काम फॉलोअप नहीं हुआ जोधपुर के साथियों ने ड्युटी नहीं निभाई। (मन्नाराम)

21 से 23 सितम्बर, 2019 को हैदराबाद SAPACC कान्फ्रेस में एन एच सी पी एम के समाजशास्त्र पर विचार-विमर्श नहीं होगा। यह अम्ब्रेला संगठन है। (सज्जनकुमार) अखिल भारतीय सम्मेलन 20 दिसम्बर 2019 से 10 जनवरी 2020 के बीच हो। जगह जोधपुर, बीकानेर, जम्मू-कश्मीर या पंजाब में

से कोई भी 20 जून, 2019 तक सूचना अध्यक्ष/सचिव को दे दे। संख्या 150 से 200 डेलीगेट एवं पर्यवेक्षकों की हो। प्रथम दिन खुला सत्र हो जिसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी हो। एन एच सी पी एम का SAARC सम्मेलन सितम्बर, 2019 में तय कर लेगे। सदस्यता लिबरल हो, लिस्ट हमारे पास नहीं है, सम्पर्क कर सकते है जो एन एच सी पी एम के प्रोग्राम में आते है। (मन्नीराम) जिला सम्मेलन में भाग लेने वालों को सदस्य माना (मन्नाराम) जो लोग शांति चाहते हो युद्ध का विरोध करे, पानी को माल न माने इससे सदस्यता तय हो (आरसी मखनोत्रा) प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के ढांचे में व्यक्तिगत इदारा सदस्यता, संगठनात्मक ढांचा एन एच सी पी एम तथा अन्य संगठनों के साथ भागीदार संगठन एवं भाईचारा संगठन दर्ज है। (घनश्याम) परिवार को शामिल करने की कोशिश हो (सुखदेवसिंह)), इसे मॉडल नहीं माना जाना चाहिए (मनीराम), हमारे यहां 36 सदस्य है। सभी को एक्टीव किया जा रहा हे। सभी प्रोग्राम आराम से हो जाते है कोई घाटा नहीं होता। बेटा कहना नहीं मानता तो थोड़ा नुक्स बाप में भी हो सकता है। हमें ट्रास्परेन्ट रहना चाहिये। (दीदारसिंह)

सदस्यता पर बात (क) सदस्य वह है जो (i) विश्व की प्रथम वास्तविकता ग्लोबल वार्मिंग और अमानवीयकरण मानता हो (ii) इसका कारण वर्तमान विश्व कॉरपोरेट व्यवस्था को मानता हो (iii) इसका हल प्रकृति-मानव केन्द्रित सामाजिक मॉडल में समझता हो। ये सदस्य एन एच सी पी एम के इरादों में संगठित होगे।

(ख) वो अन्य संगठन जो पहले से ही अपने अलग नाम से कार्य कर रहे है लेकिन वो उपर्युक्त तीन वास्तविकताओं को स्वीकार करते हो भागीदार संगठन में आते है। (ग) वो अन्य संगठन जो देश एवं दुनिया में पर्यावरणीय एवं मानवीय समस्याओं को हल करने में आम लोगों से जुड़कर (ग्रास रूट पर) काम करते हो; भ्रातृत्व संगठन में आते हैं।

मिटिंग में एजेण्डे के बाकी विषयों पर चर्चा हुई, फैसले एवं सलाह इस प्रकार थी।

जम्मू कश्मीर विषय पर जम्मू-कश्मीर प्रान्त के अलावा भारत खासकर दक्षिण भारत में सेमीनार, गोष्ठियां की जावे। 24 जून को श्रीमान् आर पी सराफ की श्रद्धांजलि सभा में जम्मू-कश्मीर पर श्री सराफ द्वारा लिखित दस्तावेज पढ़ा

जावे। प्रकृति-मानव हितैषी कृषि अभियान पर आगे काम की योजना जुलाई, 2019 में श्री गंगानगर के जिला सम्मेलन में बनायेगे। संकलन हिन्दी, अंग्रेजी के रखने, वितरण, 8वें संकलन के प्रकाशन के स्पोन्सर्ड आदि पर चर्चा हुई। संकलन को बंद अल्मीरा में रखने का तय हुआ। हरेक सदस्य संकलन के कम से कम एक सेट हिन्दी एवं अंग्रेजी का रखे। यूनिट के पास ज्यादा भी हो जिसे संबंधित इकाई तय करे। पत्रिका नियमित छपे जिसमें काम की रिपोर्ट हो तथा व्यक्तिगत नाम से लेख भी छपे। लोकसभा चुनाव मई, 2019 पर टिप्पणी पर्चा भी लिखा जावें। आर.पी. सराफ साहब से संबंधित सभी सामग्री ऑडियो, विडियो, सीडी आदि मनजीत मान को पहुंचाई जावे। महिला एवं यूथ में आगे काम की शुरूआत के लिए उनमें स्टडी सर्किल लगाए।

प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन की अखिल भारतीय कमेटी की आठवीं बैठक 19-20 अक्टूबर, 2019 को बीकानेर में आयोजित की गई। जिसके एजेण्डे में बिन्दु ये थे। (1) रिपोर्टिंग (2) अखिल भारतीय कांफ्रेस 29 से 31 दिसम्बर, 2019 लहरागागा (पंजाब की तैयारी) (क) डेलीगेशन का आधार (ख) सदस्यता (ग) अन्य संगठनों एवं व्यक्तियों की भागीदारी (घ) काफ्रेंस के दस्तावेज (3) सैद्धान्तिक, व्यवहारिक तथा संगठनात्मक सवालों के बारे में (4) SAPCC (South Asian People Action on Climate Crisis) (5) जम्मू-कश्मीर, एन आर सी और सीटिजनशिप अमेन्डमेन्ड बिल के बारे में (6) किसानों, महिला एवं युवाओं में काम (7) SAARC स्तर पर काम तथा (8) अन्य विषय जो सदस्य चाहे।

एजेण्डे के पहले बिन्दु रिपोर्टिंग के तहत सज्जन कुमार ने कहा कि 18.10.2019 को रायसिंह नगर के स्कूल कॉलेज में विश्व कल्याणकारी संस्था के साथ मिटिंग की। पर्यावरण के सवाल पर की गई मिटिंगों में बीजेपी एम एल ए सहित सी पी आई के कार्यकर्ता भागीदार रहे। मुख्यवक्ता सुखदेवसिंह तथा जम्मू के आर सी मखनोत्रा थे। केरला के थ्रीसूर शहर में सहदेवन, संजय जोश के निमंत्रण पर गये। वहां गोपी कन्नन आई ए एस ने भी मिटिंग में भाग लिया था जिसने कश्मीर विषय पर आई ए एस से इस्तीफा दिया था। आर सी मखनोत्रा ने बताया कि सरकारों पर अमेरीका यूरोप में स्थानीय प्रेशर युवाओं का संगठन एक्सटिंगशन रिवोलूशन पर डाल रहा है तो ग्लोबल स्तर पर हाई स्कूल स्तर तक

के स्कूली बच्चे ग्रेटा धुनबर्ग के आव्हान पर सरकारों पर दबाव डाल रहे हैं। केरला में 12 अक्टूबर, 2019 को राईज अप फॉर कश्मीर, स्टेण्ड अप विद आसाम (एन आर सी) विषय पर एक हजार पार्टीशिपेन्ट आए। घनश्याम ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को धारा 370 हटाने के बाद जोधपुर में कश्मीर विषय को मानवीय समस्या बताते हुए राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया। जोधपुर, सांचौर, जालोर, बाड़मेर में पर्यावरण तथा कश्मीर विषय पर मिटिंगे की। उदयपुर में बांग्लादेश से आए दो सदस्यीय डेलीगेशन से बातचीत की।

सुखदेवसिंह ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को धारा 370 हटाने व 35 ए विषय पर उत्पन्न हालात पर सज्जन कुमार के साथ साम्बा, जम्मू, कठूआ में मिटिंगे की। कश्मीर विषय पर पंजाबी में 5000 पर्चे बांटे। अंग्रेजी का संकलन नं. 8 टाइप हो गया। पंजाबी वेबसाइट बना रहे है। दीदारसिंह ने कहा कि 5 अगस्त के बाद बड़ा कार्यक्रम नहीं करने का सरकारी प्रेशर था। हमने इनडोर मिटिंगे की। गांव नड में डर था कि बारह से कोई मिटिंग में नहीं आए। इसके बावजूद हमने मिटिंगे की। मनीराम ने कहा कि एन एच सी पी एम का जिला सम्मेलन पदमपुर में किया। किसानों के कार्यक्रम एम एस पी, पानी के मुद्दों पर मैं भाग लेता हूं। नहरों में पानी के प्रदुषण के सवाल पर बीजेपी एवं कम्युनिष्ट आन्दोलन कर रहे हैं, मैं सभी को एक मुद्दे पर संगठित होने का कहता हूं। ग्वार के मुद्दे पर NCDX ने 2 अक्टू. 2019 को व्यापारियों की होटल में मिटिंग बुलाई, मुझे मिटिंग में बुलाया।

बिन्दु 2 (क) पर तय हुआ कि सदस्यता की लिस्ट नीचे की इकाईया बनाने व प्रान्तीय व भारत कमेटी को सूचित करे।

2 (ख) पर तय हुआ कि डेलीगेशन का आधार हेतु

(i) डेलीगेट को एन एच सी पी एम के सिद्धान्त, व्यवहार एवं संगठन की जानकारी हो।

(ii) डेलीगेट पर्यटन की मानसिकता से कान्फ्रेंस में भाग न लें।

(iii) भागीदार नशापता करने वाले अथवा गंभीर बीमार न हो।

2 (ग) कान्फ्रेस में संख्यानुसार भागीदारी लगभग ये तय की गई। NHCPM-150, अन्य भागीदार/भ्रातृ संगठन 50 तथा पहले दिन 300 अन्य।

प्रान्त अनुसार डेलीगेशन यह तय किया गया। पंजाब-50, राजस्थान 40, जम्मू-कश्मीर 25, नेपाल 20, बांग्लादेश 10, श्रीलंका 2, दिल्ली 10, यूपी 10, एमपी 2, पं. बंगाल 5, महाराष्ट्र 5, गुजरात 2, आंध्रप्रदेश 2, तेलगांना 2, बिहार 2, केरला 10, कर्णाटक 5, तमिलनाडू 2, गोआ 2।

कांफ्रेस के दस्तावेज ये तय किए गए (i) समाजशास्त्रीय अवधारणा पर (ii) कृषि संबंधी दस्तावेत (iii) कश्मीर पर (iv) संगठनात्मक दस्तावेज इसके बाद सैद्धान्तिक, व्यवहारिक तथा संगठनात्मक सवालों के बिन्दु (क) सदस्य एवं इकाई में संबंध (ख) विभिन्न इकाईयों के बीच आपसी संबंध (ग) एजेन्सी (व्यक्तिगत इकाई) बनाम एजेण्डा तथा (घ) प्रोग्राम संविधान के भाग III का अर्थ पर विचार विमर्श हुआ।

यह रिपोर्ट आल इण्डिया कमेटी में उपस्थित सदस्यों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा प्रस्तुत मौखिक एवं लिखित रिपोर्ट पर आधारित है। सभी गतिविधियों की रिपोर्ट न होने के कारण यह संभव है कि किसी अन्य सदस्यों या इकाईयों द्वारा की गई महत्वपूर्ण गतिविधि या काम आदि छूट गए हो।

लहरगागा पंजाब में गठित अखिल भारतीय कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य ये हैं—

1. दीदारसिंह-अध्यक्ष, 2. शांति चौहान-उपाध्यक्ष, 3. मनीराम पूनिया-सचिव, 4. सुदर्शन खटड़ा-कोषाध्यक्ष

सदस्य—5. सुखदेवसिंह, 6 सज्जनकुमार, 7. घनश्याम डेमोक्रेट, 8. करनैलदास, 9. इकबाल हुसैन इकबाल, 10. लस्करसिंह मिठड़ा, 11. संदीप, 12. मनजीतसिंह मान, 13. मन्नाराम डांगी, 14. रूपचन्द मखनोत्रा, 15. सोहनलाल रेगर, 16. ममता शर्मा, 17. रामप्रताप वर्मा, 18. सत्यनारायण कुलरिया, 19. महिन्द्र कौर, 20. प्रवीण चौहान, 21. शारदा सराफ, 22. जसनप्रीत सिंह, 23. जसवीर कौर, 24. डॉ. राजेन्द्र आर्य, 25. एकता चौहान।

सम्पर्क :

अंग्रेजी प्रकाशन :

रूपचन्द मखनोत्रा

209, अशोक विहार, जानीपुर, जम्मू सिटी (जम्मू-कश्मीर) भारत

फोन : 0091-9419116969

E-mail: rcmakhnotra@yahoo.co.in

हिन्दी प्रकाशन :

घनश्याम डेमोक्रेट

23/864, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर-342 008 (राजस्थान) भारत

फोन : 0091-94148-64548

E-mail : ghanshyamchouhan2719@gmail.com

पंजाबी प्रकाशन :

सुखदेवसिंह भूपाल

गाँव-भूपाल, डाक-मत्ति, जिला-मानसा, पंजाब (भारत)

फोन : 0091-9915342232

E-mail: sukhdev.nhcpm@gmail.com

अन्य भाषाओं का प्रकाशन :

सज्जनकुमार

डी-13-14, ऑफिसर्स कॉलोनी, एस.बी.बी.जे. ट्रेनिंग सेन्टर के सामने,
सागर रोड, बीकानेर (राजस्थान) भारत

फोन : 0091-9001826467

E-mail: sajjankumarnhcpm@gmail.com

log on: www.nhcpm.org

नेचर-ह्यूमन सेन्ट्रिक व्यूपाइंट प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन द्वारा प्रकाशित
एवं जांगिड़ कम्प्यूटर्स, जोधपुर से मुद्रित



अंक : 16
सितम्बर, 2024

संस्थापक सम्पादक : **स्मृतिशेष आर. पी. सराफ**

प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के गठन के बाद जनवरी, 2003 से दिसम्बर, 2019 तक अखिल भारती कमेटी की कार्यवाही, लोगों में काम तथा अन्य संगठनात्मक गतिविधियों की रिपोर्ट

अनुक्रमणिका

1. प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन की गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट - जनवरी, 2003 से अक्टूबर, 2012 तक... 1-8
2. प्रकृति मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के गठन 29 दिसम्बर, 2002 से अक्टूबर, 2012 तक संगठनात्मक प्रक्रिया से संबंधित कुछ व्यवहारिक बिन्दु ... 9-12
3. द्वितीय अखिल भारतीय सम्मेलन मे प्रस्तुत 4 नवम्बर, 2012 से मई, 215 तक की रिपोर्ट ... 13-19
4. तीसरे अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रस्तुत जून, 2015 से सितम्बर, 2017 तक की रिपोर्ट ... 20-42
5. चौथे अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रस्तुत अक्टूबर, 2017 से दिसम्बर, 2019 तक की रिपोर्ट ... 43-64

मूल्य : छपाई लागत सहयोग राशि : इच्छानुसार

छपाई लागत : 20 रुपये